RNI NO. UPHIN/2012/46248

सुविचार

‘ तारीफों के पुल के नीचे मतलब की नदियां बहती है..! ’

गाजियाबाद से प्रकाशित

अभी वार्ता

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● वर्ष 10 ● अंक 26 ● मंगलवार 20 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 06 ● पेज मूल्य : 3 रुपए

सरकार के प्रस्ताव को किया रद्द, हरियाणा में इंटरनेट पर पाबंदी बढ़ी, 21 को दिल्ली कूच

चंडीगढ़। एमएसपी की कानूनी गारंटी पर रविवार को चंडीगढ़ में किसान नेताओं और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच चौथे दौर की बैठक हुई। इसमें केंद्र सरकार चार और फसलों पर एमएसपी देने को तैयार हो गई है। केंद्र के इस प्रस्ताव पर बैठक में मौजूद किसान नेताओं ने कहा कि वह सभी संगठनों से बात कर आज इस पर अंतिम फैसला बताएंगे। वहीं हरियाणा के बॉर्डर पर किसान डटे हुए हैं।

21 को होगा दिल्ली कूच

राजस्थान के ग्रामीण किसान मजदूर समिति के मीडिया प्रभारी रणजीत राजू ने बताया कि सरकार के प्रस्ताव पर किसानों की सहमति नहीं बन सकी है। सभी फोरमों में बात करने के बाद अब किसान नेताओं ने फैसला लिया है कि 21 फरवरी को दिल्ली के लिए कूच करेंगे। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार लाठियां भांजेगी तो खाएंगे, गोले दागेंगे तो उसका भी सामना करेंगे। सरकार अपने प्रस्ताव के जरिए सिर्फ हरियाणा पंजाब के किसानों को देख रही है जबकि आंदोलन देशभर के किसानों की विभिन्न फसलों के लिए है। वहीं धान पर सरकार एमएसपी देने के लिए राजी हुई है मगर पैदावार अपने हिसाब से कराना चाहती है। यह किसानों को मंजूर नहीं है। भाकियू शहीद भगत सिंह के किसान नेता जय सिंह जलबेड़ा ने भी इसकी पुष्टि की है। किसानों ने सरकार को 20 फरवरी तक का समय दिया है।

तिलहन और बाजरा को भी शामिल करने की मांग

भाकियू चढ़ूनी के नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि 21 फरवरी तक का समय है। सरकार को सोचना और समझना चाहिए कि तिलहन और बाजरा खरीद के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. जैसे उन्होंने दालों, मक्का और कपास का उल्लेख किया, उन्हें इन दोनों फसलों को भी शामिल करना चाहिए। अगर इन दोनों को शामिल नहीं किया गया तो हमें इस बारे में फिर से सोचना होगा...कल हमने फैसला लिया कि अगर 21 फरवरी तक सरकार नहीं मानी तो हरियाणा भी आंदोलन में शामिल होगा।

बातचीत में हरियाणा के सीएम को भी शामिल करने की मांग

भाकियू चढ़ूनी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने मांग की कि आंदोलनरत किसानों के साथ सरकार की वार्ता में हरियाणा के मुख्यमंत्री भी शामिल हों। उनके शामिल न होने पर हरियाणा के किसानों की मांगों की अनदेखी की आशंका हो रही है।

करगिल में आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर तीव्रता रही 5.2; घरों से घबराकर बाहर निकले लोग

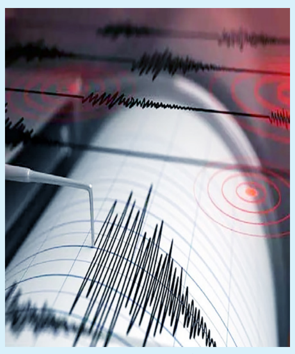

जम्मू और कश्मीर। लद्दाख के करगिल में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। केंद्र ने बताया की रात करीब 9.35 बजे भूकंप आया। झटकों से घबराए लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप की गहराई धरती की सतह से 10 किलो मीटर नीचे थी। फिलहाल कहीं से कुछ तरह के जान माल के हानी की जानकारी सामने नहीं आई है।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

BJP-मनसे के गठबंधन की अटकलें, आशीष शेलार और राज ठाकरे की मुलाकात; कहा- सही समय पर तस्वीर साफ होगी

मुंबई। मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार और मनसे चीफ राज ठाकरे की मुलाकात को महाराष्ट्र की सियासत में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (BJP) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही हैं। भाजपा के मुताबिक पूरी तस्वीर सही समय आने पर साफ होगी। शेलार ने कहा कि पुराने दोस्तों के मिलने का सिलसिला चलता रहता है। सोमवार को हुई दोनों नेताओं की बैठक के बाद संभावित चुनावी गठबंधन की अटकलों को बल मिला। शेलार ने दादर में अपने आवास पर ठाकरे से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, 'राज ठाकरे और मैं लंबे समय से दोस्त हैं। हम कुछ अन्य विषयों पर भी मिलते हैं और चर्चा करते हैं।'

सियासी गलियारों में हो रही कयासबाजी के मुताबिक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के जनाधार में सेंध लगाने और मराठी वोट बैंक को बांटने का प्रयास कर रही भाजपा मनसे से हाथ मिला सकती है।

'राष्ट्रपति शासन के अलावा कोई रास्ता नहीं', महिला आयोग की अध्यक्ष का बड़ा बयान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली का दौरा करने के बाद राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्हें पीड़ितों का दर्द समझने के लिए बिना किसी पद के प्रभावित क्षेत्र का दौरा करना चाहिए। तभी वह यहां की महिलाओं का दर्द समझ सकेंगी।

रेखा शर्मा ने कहा कि संदेशखाली में आए दिन महिलाओं पर अत्याचार के आरोप लगते रहे हैं। यहां की महिलाओं को पुलिस पर भरोसा नहीं है। रेखा शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति शासन के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। वे सोमवार को संदेशखाली दौरा करने के बाद बोल रही थीं। इस दौरान उन्होंने गांवों में जाकर पीड़ित महिलाओं से बातचीत की।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि मुझे आज करीब 18 शिकायती पत्र मिले हैं। इनमें दो दुष्कर्म के आरोप हैं। बाकी सब यौन उत्पीड़न हैं, लेकिन वह छेड़छाड़ भी भयानक है। महिलाओं ने उन्हें बताया कि हमारे कपड़े उतार दिए, इधर छुआ, उधर छुआ।

उन्होंने कहा कि यहां के हालात इतने खराब हैं कि यहां की महिलाएं मुझे छोड़ना नहीं चाहतीं। वे मुझे पकड़ कर रो रही हैं। बहुत खराब हालत है। मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति शासन के अलावा कोई रास्ता बचता है। महिलाएं पुलिस भी डरती हैं। मैं लिखित शिकायत की एक प्रति ले रही हूं। रेखा शर्मा का दावा है कि यहां बच्चों के माथे पर पिस्तौल रखकर डराया जाता है। कहा जाता है कि अगर मां ने शिकायत वापस नहीं ली तो गोली मार दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले एससी कमिश्नर ने भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की सिफारिश की थी।

'कोई भी आधार नंबर रद्द नहीं किया गया', ममता बनर्जी के आरोपों के बीच यूआईडीएआई का जवाब

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने सोमवार को कहा कि आधार डाटाबेस को अपडेट रखने के लिए आधार नंबर धारकों को समय-समय पर सूचना दी जाती है। लेकिन किसी का नंबर रद्द नहीं किया गया है।

यूआईडीएआई ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आधार का इस्तेमाल आमतौर पर डिजिटल पहचान के रूप में कई रियायतों, योजनाओं और सेवाओं के लाभ उठाने के लिए किया जाता है। इसने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आधार डाटाबेस की सटीकता को बनाए रखने के लिए यूआईडीएआई ने दस्तावेजों और आधार की जानकारी को अपडेट करने के लिए एक अभ्यास शुरू किया है।

प्राधिकरण ने कहा, आधार डाटाबेस को अपडेट रखने के लिए की जाने वाली गतिविधियों के दौरान आधार नंबर धारकों को समय-समय पर जानकारी दी जाती है। इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि कोई आधार नंबर निष्क्रिय नहीं किया गया है।

KRIKSO SAMRAT
जैविक टॉनिक |

KRIKSO BENGAL TIGER
धान पर होने वाला बीपीएच का प्रादुभाव कम करता है |

KRIKSO NEEM KARANJ
जैविक सेनिद्रया कीटनाशक |

KRIKSO JOSH
जैविक फफूंद नाशक |

KRIKSO NIAMATOZ
नजर न आने वाले सूलकृमि को रोकने के लिए |

KRIKSO BIO-VITA 96
ऑस्ट्रेलिया कल्पसिबिद से बना हुआ |

KRIKSO BOSS
सिलिकॉन आधारित स्प्रेडर जो सब्जियां, पत्ते, फलो पर स्प्रेडिंग और बैटिंग की प्रभावी रूप से बेहतर बनाता है |

KRIKSO SOIL CHARGER
उत्तम भुसुधारक सैंदर्य करब बढ़ाता है |

KRIKSO SHIELD
जैविक फफूंद नाशक |

KRIKSO HUMICURE 98
ऑस्ट्रेलिया कल्पसिबिद से बना हुआ |

KRIKSO PH-BALANCER
मिट्टी का PH (सामू) संतुलित करता है |

KRIKSO KARANJ RAKSHAK
जैविक सेनिद्रय कीटनाशक |

KRIKSO SILICURE
सभी सब्जियों और फसलों की विकास और उपज बढ़ता है

KRIKSO SOIL CHAROER
उत्तम भुसुधारक सैंदर्य करब बढ़ाता है |

KRIKSO NEEM CURE
जैविक सेनिद्रय कीटनाशक |

KRIKSO HUMICURE 98
फूलों की उपज और जमीन में उपलब्ध पोषक तत्वों का गहन करने की क्षमता बढ़ाता है |

KRIKSO POWER
यह शाखाओ, फूलों और अंकुर की माला बढ़ाता है | यह फलों की उपज बढ़ाता है फलों के रंग को सही रखता है और चमक बढ़ाता है |

KRIKSO SAVER
स्टिकिंग एवं पेंटिंग एजेंट |

KRIKSO TEZ GOLD
लार्वा नाशक |

KRIKSO FLOWER
यह शाखाओ, फूलों और अंकुर की माला बढ़ाता है | यह फलों की उपज बढ़ाता है फलों के रंग को सही रखता है और चमक बढ़ाता है |

KRIKSO BIO-909
ग्रेप्स वाइट् फलों के प्रभावित नियंत्रण के लिए |

KRIKSO FARM GOLD
पौधो पर हार्मोनो को उत्तेजित करता है |

KRIKSO CURE-80
उत्तम भुसुधारक सैंदर्य करब बढ़ाता है |

KRIKSO SOIL CURE
पोटेशियम प्रकाश संश्लेषण पानी और पोषक तत्वों के उठाव, और समग्र फसल गुणवत्ता सहित कई महत्त्वपूर्ण पौधो की प्रक्रियाओ के लिए महत्त्वपूर्ण है |

KRIKSO FISH 3K
मिलोवन स्क्रीन पेस्ट एडिट मीट्स वाइस पहललओ के प्रभावित नियंत्रण के लिए |

KRIKSO RANGER
सभी प्रकार के फलो का रंग बढ़ाने के लिए |

KRIKSO SOILCURE
सभी सब्जियों और फसलों की विकास और उपज बढ़ता है

KRIKSO BIO-VITA 96
ऑस्ट्रेलिया कल्पसिबिद से बना हुआ |

BABY & SWEET CORN FARMING
CONTRACT FARMING
BIOFLOC FISHING
LEMON GRASS OIL PLANT
STRAWBERRY FARMING

KRIKSO

ADMINISTRATIVE OFFICE

4/176 (LGF) Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201010
Mob:- 9310499902, 7004170704 I Ph.:- 0120-4167424
Email: kriksoindia@gmail.com Website: www.krikso.in

Website: www.krikso.co.in

'वन भूमि में चिड़ियाघर या सफारी के लिए मंजूरी जरूरी', अदालत का राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को देशभर में वन संरक्षण के लिए कई निर्देश जारी किए। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वन भूमि पर अब चिड़ियाघर खोलने या सफारी के किसी भी नए प्रस्ताव को उसकी मंजूरी की आवश्यकता होगी।

अदालत ने इस दलील पर ध्यान दिया कि वन संरक्षण के लिए 2023 का संशोधित कानून करीब 1.99 लाख वर्ग किलोमीटर वन भूमि को वन के दायरे से बाहर रखता है। जिसका इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

विवरण केंद्र को सौंपेंगे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई की। पीठ ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर की वन भूमि का विवरण इस साल 31 मार्च तक केंद्र को प्रदान करें।

मास्टरमाइंड मलिक से होगी 2.68 करोड़ की वसूली, नगर निगम ने जारी की आरसी; DM को भेजा पत्र

नैनीताल। हल्द्वानी में नगर निगम ने हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के खिलाफ 2.68 करोड़ की आरसी जारी कर दी है। इस आरसी को वसूली के लिए डीएम को भेज दिया गया है। अब तहसील के माध्यम से वसूली की जाएगी।

सोमवार को नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने आरसी जारी की। वसूली को लेकर डीएम को पत्र भी भेज दिया है। पत्र में कहा गया है कि अब्दुल मलिक के कब्जे में सरकारी जमीन को हटाने के दौरान हुई हिंसा में निगम के कई वाहन समेत सामान जल गया। इनकी लागत 2.44 करोड़ है।

कहा कि निगम की ओर से अब्दुल मलिक के घर में नोटिस चस्पा किया गया था।

15 फरवरी तक पैसा जमा करने के लिए कहा गया था। इसके बाद निगम ने वसूली के सभी प्रयास किए। इसके बाद भी वसूली नहीं हो पाई।

ये पढ़ें- ल्टं'द्दिंल्ल्र श्ङ्ग'ल्लीः हल्द्वानी हिंसा के उपद्रवियों को जेल भेजा, प्रशासन की बढ़ी चिंता; अब शिफ्ट किए जाएंगे कैदी

पत्र में कहा गया है कि राजस्व विभाग 10 प्रतिशत की संग्रह व्यय लेता है। इसे लगाकर मलिक से 2.68 करोड़ की वसूली कराई जाए। अब डीएम तहसील के माध्यम से वसूली कराएंगी।

संपत्ति बेचकर होगी वसूली

नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि तहसील वसूली का कार्य करेगी। अब्दुल मलिक अगर पैसा नहीं देता है तो मलिक के बैंक खाते फ्रिज किए जाएंगे।

साथ ही उसकी संपत्ति को नीलाम करके वसूली की जाएगी।

पीएम ने 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ, बोले- यूपी में अब व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल

लखनऊ। मुझे यूपी के सामर्थ और डबल इंजन सरकार के परिश्रम पर पूरा विश्वास है। मैं योगी जी को विशेष बधाई देता हूं। हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है कि यूपी ने ठान लिया है कि वो एक ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनेगा। देश के सभी राजनीतिक दलों से कहूंगा कि राजनीति छोड़िए और यूपी से सीखिए। आप कितने ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी अपने राज्य को बनाएंगे, ये संकल्प करके मैदान में आइए। देश तभी आगे बढ़ेगा जब यूपी की तरह हर राज्य बड़े सपने और संकल्प लेकर चल पड़ेगा।

उद्योग जगत के साथियों के लिए यूपी में अनंत अवसर की बेला है। आपने कभी सोचा नहीं होगा उतनी तेजी से यूपी अपने सारे संकल्पों को पूरा कर रहा है। ये बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह के दौरान कही।

प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने चलचित्र के माध्यम से बदलते उत्तर प्रदेश की झलक भी देखी।

यूपी की तस्वीर बदल देंगे उद्योग

अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सात वर्ष पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि यूपी में निवेश और नौकरियों को लेकर ऐसा माहौल बनेगा। पहले चारों तरफ अपराध, दंगे, छीनाझपटी यही खबरें आती रहती थीं। उस दौरान अगर कोई कहता कि यूपी को विकसित बनाएंगे तो शायद कोई सुनने को भी तैयार नहीं होता। आज लाखों करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में उतर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हजारों प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो रहा है। ये उद्योग यूपी की तस्वीर बदलने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में बीते सात साल में रेड टेप कल्चर को खत्म करके रेड कार्पेट कल्चर का माहौल बना है। यूपी में ना केवल क्राइम कम हुआ है, बल्कि बिजनेस कल्चर का विस्तार भी हुआ है। बीते सात साल में यूपी में व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल बना है। यहां आए सभी निवेशकों के बीच आशावाद दिख रहा है।

डबल इंजन सरकार ने दिखाया है कि अगर बदलाव की सच्ची नीयत है तो उसे कोई रोक नहीं सकता। बीते कुछ वर्षों में यूपी से होने वाला एक्सपोर्ट दोगुना हो चुका है।

सार सुर्खिया

कहासुनी में विवाद बढ़ने पर युवक की गर्दन पर चाकू से किया वार

साहिबाबाद। सीमा चौकी क्षेत्र की निटको वाली गली में एक युवक ने दूसरे की गर्दन पर चाकू से वार कर गंभीर घायल कर दिया। लहूलुहान अवस्था में घायल युवक भागकर शहीदनगर पुलिस चौकी में पहुंचा। पुलिस ने उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसका इलाज चल रहा है। शहीदनगर डी-ब्लॉक निवासी अमन बृहस्पतिवार शाम घर से कहीं जा रहे थे। निटको वाली गली में मोती मस्जिद के पास सुहैल से किसी बात पर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सुहैल ने पपीते की ठेली से चाकू उठाकर अमन के गर्दन पर वार कर दिया। वह लहूलुहान हो गया। वह भागकर शहीदनगर पुलिस चौकी पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। घायल के पिता ने साहिबाबाद पुलिस को मुकदमा कराया है।

एसीपी साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय का कहना है कि घायल अमन की हालत खतरे से बाहर है। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश हो रही है।

कैब चालक से पिस्टल के बल पर लूट में पुलिस के हाथ छह दिन बाद भी खाली

इंदिरापुरम। अभयखंड स्थित तक्षशिला अपार्टमेंट के पास 14 फरवरी को कैब चालक अमर सिंह को हथियार के बल पर लूट की घटना में इंदिरापुरम पुलिस छह दिन में बदमाशों का सुराग नहीं ढूंढ सकी है। सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान नहीं हुई। अंधेरे की वजह से टीम को फुटेज धुंधली मिली।

डीसीपी निमिष पाटिल का कहना है कि बदमाशों का हुलिया और बाइक नंबर की पहचान, कैब को किस-किस जगह घुमाया था। उन सभी जगह की सीसीटीवी फुटेज चेक करने के अलावा अन्य एंगल से चार टीमें लगी हैं हालांकि, बाइक पर बदमाशों ने नंबर प्लेट नहीं लगाई थी। ऐसे में टीम छह दिन बाद भी अंधेरे में तीर चला रही है। इंदिरापुरम पुलिस ने निजी बैंक के हेड ऑफिस को मेल करके घटना में रुपये निकालने के समय की फुटेज मांगी थी। अब बैंक की फुटेज से टीम को कुछ अहम सुराग मिलने की उम्मीद नजर आ रही है। एसीपी के मुताबिक, कोतवाली पुलिस को अगले कुछ दिनों में सफलता नहीं मिली तो स्वाट टीम को केस सौंपा जाएगा।

बता दें कि डीएलएफ भोपुरा निवासी कैब चालक अमर सिंह मंगलवार सुबह अभयखंड में स्टाफ को लेने पहुंचे थे। तक्षशिला अपार्टमेंट के पास सामने से एक बाइक घिसटती हुई कार के नीचे रुकी। बाइक सवार तीन युवक उठे, उसमें से दो युवक कार में जबरन बैठ गए जबकि तीसरा बाइक चलाने लगा। बदमाशों ने उन्हें कार में पिस्टल के बल पर ले लिया फिर निजी बैंक के एटीएम बूथ से दस हजार रुपये निकाले और कार व फोन लेकर भाग गए। बदमाश उन्हें काफी देर तक इधर-उधर घुमाते रहे। उन्होंने पुलिस को लूट का मुकदमा कराया है।

सड़क पार करती महिला को वाहन ने मारी टक्कर, हुई मौत, परिवार में छाया मातम

अलीगढ़। मडराक पर मथुरा रोड को पार करते समय अज्ञात वाहन ने एक महिला को टक्कर मार दी। इससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव हसनपुर निवासी 65 वर्षीय शांती देवी पत्नी भगवान सिंह 19 फरवरी को किसी काम से मथुरा रोड पर गई थीं। वह सड़क पार करने लगीं, तभी अज्ञात वाहन उन्हें टक्कर मारकर निकल गया। महिला की मौत हो गई। महिला की मौत से उनके परिवार में मातम छा गया। इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया है। परिवार की ओर से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या के बाद अब मथुरा-काशी होगी अपनी, होगा श्रीराम मंदिर की तरह आंदोलन

अलीगढ़। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने मथुरा और काशी पर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के बाद अब मथुरा-काशी अपनी होगी। जिसके लिए अयोध्या में श्रीराम मंदिर की तरह आंदोलन किया जाएगा। जिसकी रूपरेखा जल्दी ही बनाई जाएगी।

राम जन्मभूमि न्यास और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के प्रमुख महंत नृत्य गोपाल दास अलीगढ़ पहुंचे। गूलर रोड स्थित मुकेश अग्रवाल रामांचलके आवास पर पत्रकारों से वार्ता की। जब उनसे मथुरा और काशी मामले पर पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर तो बन गया, अब मथुरा और काशी अपनी होगी। जिसके लिए श्रीराम मंदिर जैसा आंदोलन किया जाएगा। जिसकी रूपरेखा जल्दी ही बनाई जाएगी।

मोदी और योगी की जोड़ी अद्भुत है

महंत नृत्य गोपाल दास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि मोदी और योगी की जोड़ी अद्भुत है। इनके नेतृत्व में देश और प्रदेश दिन प्रतिदिन तरक्की कर रहा है। देश और प्रदेश को मोदी-योगी की बहुत जरूरत है। ये दोनों काशी-मथुरा में मंदिर बनवाएंगे।

श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का प्यार खींच लाया

अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश गौड़ का प्यार अलीगढ़ खींच लाया। यहां श्री अखिलेश्वर महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में आना सौभाग्य है।

दीवारों को गंदा करने पर छह कोचिंगों के खिलाफ कार्रवाई, 20-20 हजार का जुर्माना

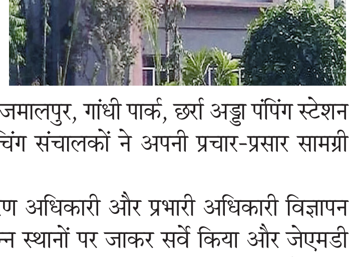

अलीगढ़। अलीगढ़ महानगर की दीवारों को अपने विज्ञापनों के जरिये गंदा करना कोचिंग संचालकों को भारी पड़ गया। नगर निगम ने छह कोचिंग संचालकों पर 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है।

नगर आयुक्त अमित आसेरी ने पिछले दिनों शहर का निरीक्षण किया था, इस दौरान पाया था कि स्वर्ण जयंती नगर, जमालपुर, गांधी पार्क, छर्रा अड्डा पंपिंग स्टेशन रोड, माल गोदाम पर कई कोचिंग संचालकों ने अपनी प्रचार-प्रसार सामग्री दीवारों पर चिपका रखी थी।

इसके बाद मुख्य कर निर्धारण अधिकारी और प्रभारी अधिकारी विज्ञापन अशोक सिंह ने शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर सर्वे किया और जेएमडी एकेडमी, कटारा एकेडमी, यासिर अहमद क्लास, सुल्तान जहां एकेडमी, हाईटेक एकेडमी व एसटीबीजी एकेडमी पर 20-20 हजार जुमार्ना वसूली का नोटिस भेजा है।

लिफ्ट देकर महिला से नकदी, अंगूठी लेकर रफूचक्कर

अलीगढ़। बाइक पर लिफ्ट लेना महिला को भारी पड़ गया। ठगों ने महिला को लिफ्ट दी। लिफ्ट देकर ठग महिला से नकदी और अंगूठी लेकर रफूचक्कर हो गए।

दौरऊ निवासी शारदा देवी के अनुसार 15 फरवरी की सुबह वह टोल प्लाजा पर वाहन का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर दो युवक आए। उन्होंने कहा कि यह बैंक की गाड़ी है और वह सारसौल तक जाएंगे। इस पर विश्वास कर वह युवकों के साथ मोटरसाइकिल पर बैठ गईं।

तहसील तक पहुंचने पर बैंक जाने के लिए कहकर मोटरसाइकिल रोक दी। इसके बाद वापस आकर रुपये दिखाते हुए कहा कि थैला उन्हें दे दूं। थैले में 1290 रुपये रखे थे। थैले के साथ अंगूठी भी ले ली। बैंक का मामला बताते हुए कुंडल और चेन उतारकर देने के लिए कहने लगे। मना करने पर धक्का देकर दोनों युवक भाग निकले।

देश का पहला युवा जाति सम्मेलन देवरिया में संपन्न

देवारिय। देश का पहला युवा जाति सम्मेलन देवरिया सेवा प्रन्यास के द्वारा देवारिया शहर में किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता देवारिय सेवा प्रन्यास के अध्यक्ष मनीष मिश्रा ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में मनीष मिश्रा ने मा. प्रधान मंत्री जी के 4 संकल्पो में से मेरी जाति युवा जाति को राष्ट्र भाव से संकल्पित तथा आत्मनिर्भर बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

जिसमे अध्यक्ष मनीष मिश्रा द्वारा देवरहा बाबा के जयघोष से युवाओं को संबोधित किया। देवरिया के विकास, स्वरोजगार, स्किल ट्रेनिंग के साथ साथ महिलाओं के उत्थान के लिए ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा हुई जिसमे सैकड़ों गांव के लोगो ने भाग लिया । देवरिया सेवा प्रन्यास ने देवरिया अनेकों गावों में घूम-घूम कर 101 मंदिरों को चिन्हित किया है जिसके कायाकल्प का कार्य इसी सप्ताह में शुरू होने वाला है, जिसमे मंदिरों के साफ-सफाई, बैठने के लिए बेंच, रौशनी के लिए सोलर लाइट, माइक स्पीकर लगाया जाएगा। मेरी जाति युवा जाति कार्यक्रम का लक्ष्य युवाओं को विभिन्न अलग अलग तरीके से ट्रेंड करके उनको रोजगार से जोड़ा जाएगा। संस्था के अध्यक्ष मनीष मिश्रा ने संबोधन में बताया कि देवरिया के युवाओं में जो मेधा है उसको पहचानकर उसके अनुरूप उसके लिए रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।

इसी सप्ताह में 101 मंदिर के कायाकल्प के साथ कुल 500 मंदिरों का उत्थान किया जाएगा। शामिल होने वालों में जयप्रकाश कुशवाहा, चंद्रपाल यादव, जयप्रकाश यादव, शुशील मिश्रा, आलोक सिंह, सत्यम मिश्रा, आशीष कुमार रॉय, धर्मेंद्र कुमार सिंह, सुधीर मल आदि सैकड़ों युवा शामिल हुए।

लूटी गई बाइक को बेचने के लिए फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट क्षेत्र में नंदग्राम कट के पास रविवार रात ड्राइ क्लीनर आशीष व उनके सहकर्मी से लूटपाट करने वाले गिरोह का सिहानी गेट पुलिस ने रविवार को खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह से तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है जबकि एक मुख्य आरोपी मनीष फरार है। पकड़े गए आरोपियों में एक जन सेवा केंद्र संचालक विकास भी है, जिसने लूटी गई बाइक को बेचने में मदद करने के लिए आरसी के अनुसार फर्जी आधार कार्ड तैयार किया था। विकास बीफार्मा की पढ़ाई कर रहा है।

डीसीपी सिटी ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में पटेल नगर निवासी करन, मसूरी के इंद्रगढ़ी निवासी विशाल, मसूरी के गंगापुरम निवासी विकास है। इनके पास से लूटी गई बाइक, मोबाइल घटना में प्रयुक्त तीन मोबाइल, लैपटॉप, प्रिंटर और फर्जी आधार कार्ड बरामद किया। पूछताछ में करन ने बताया कि उसने अपने साथी मनीष के साथ मिलकर वारदात की थी। रविवार उन्होंने एक युवक से बाइक, 2,200 रुपये और मोबाइल लूटा था। लूटे गए 2,200 रुपये उसने मनीष को दे दिए थे। लूटी गई बाइक को उसने अपने मौसी के लड़के विशाल को दो हजार रुपये में बेच दी। विशाल पर मारपीट व गाली-गलौज करने के दो मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी ने बताया फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। साथ ही इनके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी की जा रही है। विकास के लैपटॉप के डाटा को खंगाला जाएगा।

बाइक की आरसी को देख विशाल ने बनवाया फर्जी आधार कार्ड

विशाल बाइक को महंगे दामों में बेचने की फिराक में लग गया। आरसी को देख कर विकास ने दोस्त जन सेवा केंद्र संचालक विकास की मदद से फर्जी आधार बनवाया। उसने आरसी के अनुसार नाम लिख दिया और अपना फोटो लगवा लिया, जिससे बाइक बेचने के दौरान किसी को शक न हो।

25 हजार रुपये में कर लिया था सौदा

एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया विशाल ने फर्जी आधार बनने के बाद बाइक का सौदा किसी व्यक्ति से 25 हजार रुपये में कर लिया था। जिसके उसे 14 हजार रुपये भी मिल गए थे। बाइक खरीदार ने बाकी रकम को एनओसी आने के बाद देने की बात कही। इससे पहले पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया।

अलीगढ़ में 151 केंद्रों पर 106340 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा, सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात

अलीगढ़। यूपी बोर्ड परीक्षा दो दिन बाद शुरू हो रही है। परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो और सुचिता बनी रहे। इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। किसी जमाने में यूपी बोर्ड परीक्षा में नकल के लिए बदनाम रही अतरौली तहसील पर विशेष फोकस रखा जा रहा है। अलीगढ़ जिले में सेक्टर व स्टैट्रिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं, जिनकी निगरानी में ये परीक्षा होगी।

22 फरवरी से लेकर 9 मार्च तक यूपी बोर्ड की परीक्षाएं होंगी। जिले में में 151 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 106340 विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा देंगे। डीएम स्तर से सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट्स बनाए गए हैं। सभी को सीसीटीवी पर विशेष फोकस रखने को कहा गया है। परीक्षा केंद्र के हर सीसीटीवी की मॉनीटरिंग जिला मुख्यालय के कंट्रोल रूम से होगी। जहां अलग से निगरानी की व्यवस्था होगी।

किसी भी तरह की गड़बड़ी पर सीधे परीक्षा केंद्र पर कार्रवाई होगी। इसके लिए केंद्र व्यवस्थापक को सीधे जिम्मेदार माना जाएगा।

509 कार्यकर्ताओं संग सपा के नरेंद्र सूर्यवंशी ने थामा भाजपा का दामन, रालोद के राहुल शर्मा हुए भाजपाई

अलीगढ़। अलीगढ़ में समाजवादी पार्टी के जिला सचिव नरेंद्र सूर्यवंशी ने सैकड़ों कार्यकताओं संग सोमवार को भाजपा का दामन थामा। भाजपा जिलाध्यक्ष चौ. कृष्णपाल सिंह लाला ने उनका पटका पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। नरेंद्र सूर्यवंशी सपा में विभिन्न पदों पर रहे हैं। वह छात्र सभा में उपाध्यक्ष भी रहे हैं। रामघाट रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला महामंत्री शिवनारायण शर्मा ने कहा कि मोदी-योगी की नीतियों से प्रभावित होकर नरेंद्र ने 509 कार्यकताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इस मौके पर जिला मंत्री अवध सिंह बघेल आदि मौजूद रहे।

राहुल शर्मा ने ली भाजपा की सदस्यता

युवा नेता राहुल शर्मा ने एटा सांसद राजवीर सिंह व भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर लोधी के नेतृत्व में भाजपा का दामन थामा। इससे पहले वह रालोद में थे।

चार साल की बेटी को बनाया हवस का शिकार, गिरफ्तार होने पर पुलिस से हर बार बोला एक ही बात

साहिबाबाद। गाजियाबाद स्थित साहिबाबाद के शहीद नगर चौकी में रहने वाले पिता ने सोमवार को अपनी चार साल की बेटी के साथ अश्लील हरकत की। काम से लौटी मां को बेटी ने घटना के बारे जानकारी दी। मां की शिकायत पर साहिबाबाद थाना पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस टीम ने आरोपी पिता को घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। बच्ची को चिकित्सकीय परीक्षण कराने के लिए भेजा गया।

एसीपी साहिबाबाद रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि शहीद नगर निवासी महिला की ओर से साहिबाबाद थाने पर तहरीर दी गई। महिला ने बताया कि एक स्कूल में घरेलू नौकरानी का कार्य करती है। सोमवार शाम चार बजे काम से घर लौटी तो उसकी चार वर्षीय बेटी ने बताया कि पिता ने उसके साथ गंदा काम किया है। वारदात के समय आरोपी का बेटा बाहर खेलने गया हुआ था जबकि सबसे छोटी बेटी सो रही थी। आरोपी पिता ने मौका पाकर घटना को अंजाम दिया। उसके बाद घर से चला गया।

मजदूरी करता है आरोपी पिता

एसीपी ने बताया कि आरोपी पिता मूलरूप से बुलन्दशहर के स्याना का रहने वाला है। शहीद नगर में दो साल से किराये के मकान में परिवार संग रहा रहा है। बच्ची के अलावा आरोपी के सात साल का बड़ा बेटा और एक साल की सबसे छोटी बेटी भी है। परिवार आरोपी के नशे की लत के कारण परेशान है।

पकड़े जाने पर आरोपी पिता बोला..गलती हो गई

पुलिस के गिरफ्तार करने पर आरोपी पिता ने बताया कि उससे गलती हो गई। हर बार पूछे जाने पर पुलिस से गलती होने की बात कहता रहा। वहीं पत्नी का घटना के बाद आरोपी पति को सजा दिलाने पर जोर है।

सड़कों पर उतरे सैंकड़ों अभ्यार्थी, पैदल मार्च कर एसपी ऑफिस का किया घेराव

उत्तर प्रदेश पुलिस पेपर लीक UP POLICE RECRU

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में पुलिस सिपाही लिखित परीक्षा में धांधली और पेपर लीक का आरोप लगाते हुए सैंकड़ों अभ्यार्थियों ने पैदल मार्च निकाला।

इतना ही नहीं एसपी ऑफिस का घेराव किया। सोमवार सुबह कुछ अभ्याथियों ने आरोप लगाया कि पुलिस भर्ती का पेपर लीक हुआ है।

इस संबंध में उनके पास कुछ व्हाट्सएप चैट मौजूद है। सुबह इस संबंध में सूचना मिलने के बाद अभ्यर्थी एकत्र होना शुरू हो गए।

पैदल मार्च करते हुए सैंकड़ों युवा पहले एसपी कार्यालय पहुंचे और घेराव किया। एसपी अभिषेक वर्मा ने वार्ता करते हुए सुबूत मांगे और ऐसा होने पर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इसके बाद एसपी को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद सभी डीएम कार्यालय पहुंचे। फिलहाल, सभी यहां सैंकड़ों अभ्यर्थी जमे हुए थे।

इंस्टाग्राम पर फोटो वायरल कर बोला, युवती की जान लेने वाले को 50 हजार रुपये इनाम

खोड़ा। थाना क्षेत्र में एक कंपनी मालिक ने अपनी सहकर्मी का अश्लील फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल कर उनकी जान लेने वाले को 50 हजार रुपये इनाम देने की बात कही है। युवती ने मारपीट, गाली-गलौज, छेड़छाड़ और अन्य धारा में मुकदमा कराया है।

युवती ने शिकायत दी कि वह नौकरी के लिए मंजीत नाम के युवक से मिली थीं। उसने आधार कार्ड और पैन कार्ड लेकर फजीर्वाड़ा कर दिया। उनका आरोप है कि उनके कागजात से कई लोगों के साथ लाखों रुपये की धोखाधड़ी कर दी। उन्हें जब मालिक की गलत हरकत का पता चल गया तो विरोध किया।

इससे वह भड़क गया और रास्ते में आते-जाते उनका पीछा कर परेशान करने लगा। इतना ही नहीं, आरोपी ने उनसे सरेआम मारपीट की। चार अक्तूबर को उनके घर में घुसकर हमला किया।

उन्होंने मामले की पुलिस से शिकायत की तो आरोपी ने इंस्टाग्राम पर फोटो को अश्लील बनाकर उनके रिश्तेदार और परिवारजनों को वायरल कर दिया। वायरल फोटो पर लिखा कि इस युवती को जान से मारने वाले को 50 हजार रुपये इनाम दूंगा।

पुलिस को युवती ने यह भी बताया कि आरोपी मालिक पूर्व में कई बार उन्हें रास्ते से उठवाने की धमकी दे चुका है। ऐसे में अब उन्हें खुद और परिवार की जान को खतरा लग रहा है।

खोड़ा पुलिस ने मुकदमा दर्ज की आरोपी मालिक की लोकेशन ट्रेस की तो वह बिहार की तरफ मिली।

अभी किसानों का दिल्ली जाने का कोई इरादा नहीं, जब जाएंगे तो बताकर जाएंग

गाजियाबाद। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों को बदनाम किया जा रहा है। फिलहाल अभी दिल्ली जाने का किसानों का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसान जब दिल्ली जाएगा तो बताकर जाएगा, इसकी सूचना सरकार को पहले भेज दी जाएगी।

उन्होंने शंभू बॉर्डर पर किसानों पर पानी की बौछार किए जाने की निंदा की और कहा कि यह किसानों के साथ गलत हो रहा है।

सरकार उद्योगपतियों की पैरोल पर चल रही है। जब तक एमएसपी गांरटी कानून नहीं बनेगा किसान आंदोलन बंद नहीं करेगा। 21 फरवरी को किसान प्रदेश के सभी कलक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

सोमवार को भिक्कनपुर गांव में भाकियू जिलाध्यक्ष ममता चौधरी द्वारा आयोजित किसान मजदूर महिला महापंचायत में राकेश टिकैत बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि किसानों का दिल्ली जाने का जब कोई इरादा नहीं है तो फिर बॉर्डर को क्यों बंद किया गया है। यह सरकार की एक नीति है, आंदोलन लंबा चले और किसान बदनाम हो। यह पहली बार हुआ है, जब किसानों पर ड्रोन से हमला किया गया।

सरकार हरसंभव कोशिश कर रही कि किसान खेती छोड़े। हम चाहते हैं कि किसान जमीन नहीं, बल्कि फसल बेचकर मालदार बने। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि राम सबके हैं। वह समय मिलने पर खुद भी अयोध्या जाएंगे और वहां पंचायत होगी। किसान भी रामलला के दर्शन पूजन करेंगे। इस दौरान मकरेड़ा, भिक्कनपुर, मोहम्दाबाद, नवीपुर गांवों के किसानों ने पाइपलाइन मार्ग पर बनाए गए डंपिंग ग्राउंड की समस्या राकेश टिकैत को बताई तो उन्होंने आश्वस्त किया कि जनहित की समस्या में वह उनके साथ हैं।

पत्थर बरसाने वालों से कोई रिश्ता नहीं

राकेश टिकैत ने कहा कि पत्थर बरसाने और हिंसा करने वालों से भाकियू का कोई संबंध नहीं है। ऐसे लोगों से संगठन को सावधान रहना होगा।

उन्होंने गांव, मोहल्ले में भाकियू से महिलाओं को जोड़ने की अपील की। कहा कि महिलाओं के जुड़ने से संगठन मजबूत होगा।

सरकार ने पिछली बार खुद को हारता देख महिला अधिकारियों को आगे कर दिया, इसलिए हमारे संगठन में क्रांतिकारी महिलाएं होंगी तो आंदोलन आसानी से जीता जाएगा।

अखाड़ा के प्रशिक्षुओं ने तलवारबाजी का किया प्रदर्शन

महापंचायत के दौरान महाराजा सूरजमल अखाड़ा के प्रशिक्षुओं ने तलवारबाजी का प्रदर्शन किया। महापंचायत की अध्यक्षता संतोष मकरेड़ा और मंच संचालन वंदना चौधरी ने किया।

ममता चौधरी, केतकी, प्रवेश, सीमा आर्य आदि ने राकेश टिकैत को पगड़ी पहना व हल भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर भाकियू के जिलाध्यक्ष बिजेंद्र चौधरी, सिंटू नेहरा, पप्पी नेहरा, सतेंद्र त्यागी, टीनू चौधरी, प्रवीण मलिक, अजय चौधरी, हरेंद्र ताऊ मौजूद रहे।

सेहत/स्वास्थ्य

सर्दियों में करें दही का सेवन, जानें इसके फायदे

टीम प्रभासाक्षी

रोजाना एक कप दही खाने से आपके शरीर में कैल्शियम की मात्रा बढ़ती है जो कोर्टिसोल हॉर्मोन के रिलीज को सीमित करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। दही में बायोएक्टिव पेप्टाइड्स होते हैं जो ब्लड प्रेशर को समान्य रखता है।

ज्यादातर लोगों का मानना होता है कि सर्दियों के मौसम में दही खा लेने से सर्दी लग जाती है, पर लोगों की यह बहुत बड़ी गलतफहमी है। असल में शरीर के तापमान को बनाए रखने के लिए सर्दियों में हमारे शरीर को गर्म तासीर वाले खाने के साथ दही भी खाना चाहिए। डॉक्टर की मानें तो आयुर्वेद में गाय के दूध के दही को सर्वोत्तम माना गया है।

सर्दियों में दही खाने के फायदे

जाड़े के मौसम में आप अपने खाने में दही का इस्तेमाल कर सकते हैं। दही में हेल्दी प्रोबायोटिक होते हैं जो आपके पेट के लिए बहुत जरूरी होते हैं। दही आपके खाने को पचाने में भी मदद करता है इससे आपका मेटाबॉलिलज्म दुरुस्त रहता है जोकि शरीर को आंतरिक रूप से गर्मी पैदा करने में सहायक होता है और हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। सर्दियों के मौसम में दही में काली मिर्च पाउडर डालकर खाने से गला खराब नहीं होता है। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि फ्रिज में रखे दही को सीधे तौर पर निकाल कर न खाएं क्योंकि इससे आपके शरीर को नुकसान पहुंच सकता है।

रोजाना एक कप दही खाने से आपके शरीर में कैल्शियम की मात्रा बढ़ती है जो कोर्टिसोल हॉर्मोन के रिलीज को सीमित करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। दही में बायोएक्टिव पेप्टाइड्स होते हैं जो ब्लड प्रेशर को समान्य रखता है।

सर्दियों में दही खाने से नुकसान नहीं फायदा होता है। जाड़े में दही के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। जिसके चलते आप सर्दी जुकाम, फ्लू जैसी बीमारियों के संक्रमण से बच सकते हैं।

दही में कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी-12 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। अगर जाड़ों में दही को सेवन न किया जाए, तो आपको वे सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिनकी सर्दियों में सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एक्सपर्ट कहते हैं कि सर्दियों में दही खाने से हड्डियां मजबूत रहती है साथ ही ब्लड प्रेशर भी नियंत्रण में रहता है।

अगर आप अपना वजन घटाना चाहते हैं, तो जाड़े में दही से परहेज न करें। यह एक लो कैलोरी फूड है। इसके सेवन से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे भूख नहीं लगती और वजन भी कंट्रोल हो जाता है।

इन चीजों के साथ दही का सेवन न करें

- दही को खट्टे फलों के साथ नहीं खाना चाहिए इससे हाजमा बिगड़ने और त्वचा संक्रमण का डर होता है।
- पराठा और पूड़ी के साथ दही को सेवन ना करें।
- तली-भुनी चीजों के साथ दही का सेवन न करें।
- दही खाने के तुरंत बाद प्याज का सेवन न करें इससे पेट दर्द, सूजन और उल्टी जैसी समस्याएं शरीर में पैदा हो जाती हैं।
- दही को मछली के साथ नहीं खाना चाहिए इससे पेट में ब्लोटिंग एसिडिटी हो सकती है।

दही में कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी-12 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। अगर जाड़ों में दही को सेवन न किया जाए, तो आपको वे सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिनकी सर्दियों में सबसे ज्यादा जरूरत होती है। एक्सपर्ट कहते हैं कि सर्दियों में दही खाने से हड्डियां मजबूत रहती है साथ ही ब्लड प्रेशर भी नियंत्रण में रहता है।

डिस्क्लेमर: इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

घरेलू नुस्खे

उलझे और फ्रिजी बालों के लिए बरदान साबित होंगे ये 3 हेयर मास्क, जानें बनाने का तरीका

दिव्यांशी भदौरिया

उलझे और फ्रिजी बालों की समास्या काफी देखने को मिल रहा है। इससे बाल काफी बेजान और रुखे नजर आते हैं। फ्रिजी और उलझे बालों के लिए ये 3 हेयर मास्क कारगर साबित होंगे। आज हम आपके लिए लेकर आए फ्रिजी हेयर्स के लिए 3 ऐसे हेयर मास्क जिन्हें आप आसानी से बना सकते है। जानें इसे कैसे बनाएं।

फ्रिजी बाल हमारी खुबसूरती को खराब करते है और बालों का हेयर स्टाइल नहीं बन पाता है। बेजान और रुखे बालो को संभालना काफी मुश्किल हो जाता है। फ्रिजी बाल होने के मुख्य कारण प्रोटीन की कमी, गलत केमिकल्स का इस्तेमाल, हेयर स्टाइलिंग टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल या बालों की देखभाल में कमी। इन सभी कारणों से हमारे बालों का सारा पोषण खत्म हो जाता है। बालों की ठीक करने के लिए, स्मूदनिंग, कंडीशनिंग या हेयर मास्क का इस्तेमाल किया जाता है। आज इस आर्टिकल में हम आपकों 3 ऐसे हेयर मास्क के बारे में बताने जा रहे है, जो बालों के पोषण के लिए सबसे बेस्ट हैं। इन्हें बनाने का तरीका बहुत आसान है और आप इसे आसानी से घर पर तैयार कर सकत हैं।

नारियल तेल और एलोवेरा जेल हेयर मास्क

फ्रिजी बालों के लिए यह हेयर मास्क कारगर साबित होगा। इसे बनाने के लिए आप इन सामग्रियों का इस्तेमाल सकते है।

सामग्री

- नारियल तेल
- अदरक का रस
- एलेवेरा जेल
- शहद
- दही
- विधि

फ्रिजी बालों के लिए हेयर मास्क बनाने की विधि यह है-

- यह हेयर मास्क बालों को थिकनेस देने में मदद करता है और उन्हें चमकदार बनाते हैं। इस आप हर हफ्ते में एक बार लगाने से बेहतर रिजल्ट मिलता है।
- सबसे पहले आप एक कटोरे में 2 चम्मच नारियल तेल निकालें।
- फिर इस मिश्रण में 1 चम्मच अदरक का रस, 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 1 चम्मच शहद डालें और अच्छे से मिला लें।
- अब इसे बालों पर अच्छे से लगाएं, धीरे-धीरे मालिश करें ताकि यह बालों में अच्छे तरह से समा जाए।
- यह मास्क बालों में 30 मिनट तक लगाएं और बाद में इसे पानी से अच्छे से धो लें और फिर शैम्पू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

शहद और दही का हेयर मास्क

सामग्री

- 2 चम्मच नारियल तेल
- 1 चम्मच शहद
- 1 चम्मच दही

विधि

- इसके लिए आप एक कटोरे में नारियल तेल, शहद और दही को अच्छे से मिलाएं।
- हेयर वॉश करने से पहले इस मास्क को बालों पर लगाएं।
- बालों को हल्के हाथों से मसाज करें ताकि मास्क अच्छे से बालों में फैल जाए।
- बालों में मास्क लगाने के बाद गरम तौलिए से अपने बालों को कवर कर लें। इससे मास्क का प्रभाव काफी बढ़ता है।
- 30-40 मिनट बाद बालों को ठंडे पानी से अच्छे से धो लें।
- बाल धोने के बाद हेयर्स को ब्लोड्राई करें और इस मास्क का प्रयोग हफ्ते में 2 या तीन बार करें।

अंडे और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

सामग्री

- ऑलिव ऑयल
- अंडा

विधि

- एक बड़े चम्मच में ऑलिव ऑयल को कटोरी में डालें।
- अब इसमें एक अंडा को तोड़कर उसमें मिलाएं।
- इस मास्क को बालों में लगाएं और 30 मिनट के लिए लगाएं।
- इसके बाद बालों का पानी से अच्छे से धो ले।
- यह हेयर मास्क बालों को मुलायम बनाता है और यह फ्रिजी बालों को खत्म कर देता है।

ब्यूटी/फैशन

शादी या पार्टी में पहन रही हैं हाईनेक तो ट्राई करें ये सिंपल हैक्स, मिलेगा स्टाइलिश लुक

अनन्या मिश्रा

सर्दियों की पार्टी में आउटफिट चुनने से पहले कई बार सोचना पड़ता है। अगर आप पार्टी में हाईनेक स्टाइल करने की सोच रही हैं, तो हम आपको बताने जा रहे हैं कि किन टिप्स को फॉलो कर आप हाईनेक को अधिक स्टाइलिश बना सकती हैं।

पार्टी करना लगभग हर किसी को पसंद होता है। पार्टी में लोग अलग-अलग तरह के डिजाइनर कपड़े पहनते हैं। जिससे कि वह सबसे अलग और खूबसूरत दिखें। वहीं पार्टी में जब फोटोज क्लिक करवाना हो, तो उनका लुक एक जैसा न लगे। वहीं सर्दियों की पार्टी में आउटफिट चुनने से पहले कई बार सोचना पड़ता है। जिससे कि सर्दियों में भी स्टाइलिश लुक मिलने के साथ ठंड कम लगे। ऐसे में अगर आप पार्टी में हाईनेक स्टाइल करने की सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किन टिप्स को फॉलो कर आप हाईनेक को अधिक स्टाइलिश बना सकती हैं।

स्टाइल करें ज्वेलरी

अगर आप पार्टी में हाईनेक वियर करने की सोच रही हैं, तो लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए साथ में ज्वेलरी भी वियर कर सकती हैं। इसके साथ आप हूप्स इयररिंग्स, ब्रेसलेट और चेन नेकलेस कैरी कर सकती हैं। वहीं आपने जिस कलर की हाईनेक पहनी है, उसी कॉन्ट्रास्ट में ज्वेलरी पहननी चाहिए। हांलाकि आप चाहें तो इसके साथ फंकी ज्वेलरी भी पहन सकती हैं। जो आपको स्टाइलिश लुक देने का काम करेगी। यह मार्केट में आपको कम दाम में मिल जाएगी।

ऐसे क्रिएट करें हेयर स्टाइल

पार्टी के लिए आप अच्छा लुक पाने के लिए हेयर स्टाइल क्रिएट कर सकती हैं। आप कर्ल हेयर स्टाइल या फिर ब्रेड हेयर स्टाइल क्रिएट कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें कुछ हेयर एक्सेसरीज भी एड कर सकती हैं। अगर आपको सिंपल लुक चाहिए तो बालों को कर्ल करके पोनीटेल बना सकती हैं।

मेकअप लुक

अगर आपको मेकअप करना अच्छा लगता है, तो आप स्मोकी आई मेकअप कर सकती हैं। इससे आपका लुक परफेक्ट लगेगा। हाई नेक के कलर के हिसाब से कॉन्ट्रास्ट करके कलर को चुनना चाहिए। फिर इसको आंखों पर लगाकर अच्छे से स्मज कर लें और ऊपर से शिमर अप्लाई करें। इससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

पार्टी के लिए आप अच्छा लुक पाने के लिए हेयर स्टाइल क्रिएट कर सकती हैं। आप कर्ल हेयर स्टाइल या फिर ब्रेड हेयर स्टाइल क्रिएट कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें कुछ हेयर एक्सेसरीज भी एड कर सकती हैं। अगर आपको सिंपल लुक चाहिए तो बालों को कर्ल करके पोनीटेल बना सकती हैं।

पर्यटन स्थल

मनाली में स्नोफॉल का मजा लेने के लिए एक्सप्लोर करें ये 5 जगहें, जमकर कर पाएंगे मस्ती

अनन्या मिश्रा

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही लोग घूमने के लिए निकल पड़ते हैं। वहीं सर्दियों का मौसम ट्रैवल के लिए बेस्ट माना जाता है। आज हम आपको मनाली की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

सर्दियों का मौसम शुरू होते ही लोग घूमने के लिए निकल पड़ते हैं। वहीं सर्दियों का मौसम ट्रैवल के लिए बेस्ट माना जाता है। वहीं कुछ लोग ठंड में अधिक ठंडी जगहों और पहाड़ी इलाकों पर जाना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि दिसंबर, जनवरी और फरवरी के महीने में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में भारी भीड़ देखने को मिलती हैं। कई बार इन जगहों पर अधिक भीड़ के कारण लोग यहां जाने का प्लान भी कैंसिल कर देते हैं।

ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप अपने पार्टनर या दोस्तों के साथ घूमने के लिए जा सकेत हैं। साथ ही अगर आप फोटो लेने के शौकीन हैं, तो यहां पर जमकर फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

पाटिल कुहल

पाटिल कुहल का नाम भले ही आपको सुनने में कुछ अजीब लग रहा हो, लेकिन यह जग बेहद खूबसूरत है। बॉलीवुड अभिनेता रितिक रोशन की फिल्म 'कृष' तो सभी ने देखी होगी। तो आपको बता दें कि 'कृष' फिल्म का गाना 'आओ सुनाओ प्यार की एक कहानी' लोकेशन इसी जगह की है। यह जगह मनाली से सिर्फ 27 मिनट की ड्राइव पर स्थित है। वहीं जब लोग मनाली में बर्फबारी का लुत्फ उठा रहे होंगे, तो आप इस जगह पर आकर एन्जॉय कर सकते हैं। बता दें कि यह हिमाचल प्रदेश की अनोखी और खूबसूरत जगहों में से एक है।

मलाणा

मनाली से करीब ढाई घंटे की दूरी पर मौजूद मलाणा नामक इस जगह को पार्वती घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर लोग ट्रैकिंग के लिए आते हैं और कम लोगों को इस जगह के बारे में जानकारी है। ट्रैकिंग के शौकीन लोगों के लिए यह एक बेहतरीन जगह साबित हो सकती है। यहां पर सर्दियों में आपको बर्फ से ढके पहाड़ देखने को मिलेंगे।

सोयल

मनाली से 37 मिनट की दूरी पर स्थित सोयल पर्यटकों के लिए स्वर्ग माना जाता है। ज्यादातर लोगों को इस जगह के बारे में नहीं पता है। ऐसे में आपको यहां पर काफी कम भीड़ देखने को मिलेगी।

बता दें कि स्थानीय लोगों के अनुसार, प्राचीन समय में इस गांव से एक दूध की धारा बहती थी। मनाली से सोयल आप गाड़ी से पहुंच सकते हैं।

हार्मोनल

फ्लाईबोर्डिंग का लेना है मजा, तो भारत में इन जगहों को करें एक्सप्लोर

दिव्यांशी भदौरिया

फ्लाईबोर्डिंग करने में काफी मजा आता है इसके लिए आपको विदेश जाने की जरुरत नहीं, भारत में ऐसी कई जगहें जहां फ्लाईबोर्डिंग मजा ले सकते हैं। आप इंडिया में इस वाटर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते है।फ्लाईबोर्डिंग कतर से लेकर थाईलैंड तक काफी फेमस है। आइए आपको बताते है कि भारत के किन जगहों पर आप फ्लाईबोर्डिंग कर सकते है।

वाटर स्पोर्ट्स के मजे लेना हर किसी को बेहद पसंद होता है, पानी पर मस्ती करने का मजा अलग ही होता है। छुट्टियों में जब घूमने जाते हैं तो बोटिंग से लेकर स्कूबा डाइविंग, जेट स्कीइंग, रिवर राफ्टिंग जैसे कई वाटर के स्पोर्ट्स को काफी एन्जॉय करते है। काफी समय से फ्लाईबोर्डिंग को बहुत पसंद किया जा रहा है। बता दें कि, फ्लाईबोर्डिंग कतर से लेकर थाईलैंड तक काफी फेमस है। हालांकि अब भारत में भी इस वाटर स्पोर्ट्स के मजा लेने लगे हैं। तो चलिए आपको बताते हैं इन जगहों के बारे में-

बागा बीच

भारत मे फ्लाईबोर्डिंग का मजा लेने केलिए आपको गोवा में जाना होगा। गोवा के बागा बीच पर फ्लाईबोर्डिंग के लिए टूरिस्ट का पसंदीदा प्लेस है। अगर आपको एडवेंचर्स एक्टिविटीज करना काफी पसंद है तो आपको बागा बीच जरुर जाना चाहिए। गोवा के बागा बीच पर फ्लाईबोर्डिंग सेशन उपलब्ध हैं, यहां पर खूबसूरत बीचेस के नजारा देखने को मिलता है। फ्लाईबोर्डिंग से लहरों के ऊपर चढ़ने का अलग ही मजा है।

अंजुना बीच

बागा बीच के अलवा अंजुना बीच पर भी फ्लाईबोर्डिंग का मजा लें सकते है। यह बीच बोहेमियन वातावरण के लिए काफी फेमस है। अंजुना का आरामदायक माहौल और फ्लाईबोर्डिंग की एड्रेनालाईन की भीड आपके हॉलिडे को बेहद ही खास बना देगा।

कैलंगुट बीच

कैलंगुट बीच के गोवा में समुद्र तटों की रानी कहा जाता है। यह जगह भी फ्लाईबोर्डिंग के लिए सबसे खास है। जब आप यहां पर फ्लाईबोर्डिंग के रोमांच को महसूस कर ही सकते हैं। इसके साथ ही कैलंगुट बीच की प्राकृतिक सुंदरता का नजारा भी आपका मन मोह लेगा।

डोना पाउला

यह जगह भी फ्लाईबोर्डिंग के लिए परफेक्ट है, गोवा की राजधानी पणजी से केवल 7 किलोमीटर दूर डोना पाउला उत्तरी गोवा के सबसे आकर्षक बीच के रुप में माना जाता है। गोवा में आने वाले टूरिस्ट डोना पाउला घूमना और वहां के सौंदर्य को एक्सीपीरियंस करना काफी पसंद करते हैं। यहां पर आप कई वाटर स्पोर्ट्स का मजा भी उठा सकते हैं। डोना पाउला फ्लाईबोर्डिंग भी उपलब्ध है।

सम्पादकीय

घाटे की दुकानदारी

हिमाचल के बजटीय घाटे की दुकानदारी चला रहे सार्वजनिक उपक्रमों ने पुनः लुटिया इस कद्र डुबोई है कि इनके दोष कान खड़े कर रहे हैं। यह सिर्फ घाटा नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक क्षमता का ऐसा अवांछित रिसाव है, जिसे तुरंत रोकना होगा। कुल 23 सार्वजनिक उपक्रमों में से तेरह ने 5143 करोड़ का घाटा परोस कर कई ऐसे प्रश्न उठाए हैं जो पूछ रहे हैं, क्या इसी धरातल पर आत्मनिर्भर हिमाचल की कसम उठाई जाती है। आश्चर्य यह कि जहां संभावना है, वहीं घाटे को सिर पर चढ़ाया जा रहा है। घाटे के शिखर पर परिवहन निगम के 1966 करोड़, राज्य बिजली बोर्ड के 1824 करोड़, पावर कारपोरेशन के 690 करोड़ और ट्रांसमिशन कारपोरेशन के 373 करोड़ बता रहे हैं कि हमारी नीतियां, वित्तीय प्रबंधन और व्यवस्थागत खामियां किस तरह नोच रही हैं। जाहिर है एचआरटीसी को घाटे की आदत इसलिए नहीं पड़ी कि मेहनतकश कर्मचारियों ने कुछ गलत किया, बल्कि सियासी नेतृत्व ने इसकी क्षमता का खैरात समझकर उपयोग किया। परिवहन निगम की सुध लेने के बजाय इसे मरे हुए सांप की तरह किसी न किसी मंत्री के गले में डाल दिया जाता है, जबकि बदले में नए बस डिपो की बढ़ोतरी में कमोबेश हर सरकार ने घाटा बढ़ाया है। इसके मुकाबले निजी बसें कर अदायगी के बावजूद अपने खर्चों के माप तोल को लाभकारी स्थिति में बनाए रखती हैं। दूसरी ओर बिजली बोर्ड व इसके सहायक निगम घाटे का जंजाल इसलिए भी बुन रहे हैं, क्योंकि मुफ्त की बिजली अब ऐसे सार्वजनिक उपक्रमों की हैसियत को दुबला ही करेगी। हैरान तो पर्यटन विकास निगम का 127 करोड़ का घाटा भी कर रहा है। जिस क्षेत्र के माध्यम से हिमाचल आत्मनिर्भर होने की सौगंध खाता रहा है, उसके बाजुओं पर विराजित सरकारी निगम की ऐसी दयनीय हालत का गुण-दोष निकालते हुए कब तक सरकारी होटलों का विनिवेश होता रहेगा।

सरकारी क्षेत्र के पास बेहतरीन साइटस, संपत्तियां और विश्वसनीय के बावजूद अगर घाटा है, तो यह घपला है। घाटे में घपले के किरदार को पकडने के बजाय नित नई संपत्तियां ऐसी जगह जोड़ी जा रही हैं, जहां कायदे से इनकी कोई जरूरत ही नहीं है। उदाहरण के लिए नूरपुर में दो बार सरकारी निवेश से पर्यटन निगम की इकाइयां अगर शून्य हुईं, तो इसकी वजह नालायकी व सियासी सोच है। धर्मशाला में क्रिकेट व अन्य कारणों से होटलों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के अनुरूप खुद को सशक्त किया, जबकि इसके मुकाबले टूरिज्म कारपोरेशन की चार संपत्तियां खुद को परिमार्जित ही नहीं कर पाईं। विडंबना यह है कि मिल्क फेडरेशन सत्रह करोड़ का घाटा उठा कर भी उपभोक्ताओं की मांग का सामना नहीं कर पा रही। पड़ोसी राज्यों के दुग्ध उत्पाद अगर हिमाचल न आएं, तो हमारी चाय और कड़वी हो जाएगी, लेकिन हिमाचल मिल्क फेड आज तक वेरका, वीटा या मदर डेयरी से उपभोक्ता जरूरत को समझ नहीं पाया।

यह दीगर है कि सरकार दूध खरीद तथा डेयरी उत्थान की घोषणा में वर्तमान बजट का आश्वासन दे रही है, फिर भी यह सोचना होगा कि मिल्क फेड जैसे सार्वजनिक उपक्रम क्यों अपनी गुणवत्ता से उपभोक्ता जरूरतों का लाभकारी बाजार खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। हिमाचल में घाटे के वही उपक्रम हैं, जिनके जरिए राज्य के संकल्प तथा आत्मनिर्भरता के कदम मुकम्मल होंगे। ऐसे में निजी निवेश ही एक मात्र सहारा बचता है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों, सेवा क्षेत्रों तथा पर्यटन आदि क्षेत्रों में निजी निवेश को अगर प्रेरित-प्रोत्साहित किया जाए, तो कहीं अधिक आय के संसाधन पैदा होंगे। घाटे की व्यवस्था में सार्वजनिक उपक्रमों में धन व्यर्थ करने से कहीं अच्छा होगा कि इनमें से अधिकांश का विनिवेश किया जाए या मौजूदा प्रबंधन प्रणाली का व्यावसायीकरण करते हुए इन्हें राजनीतिक प्राथमिकताओं का खिलौना न बनाया जाए।

संदेशखाली की दरिंदगी

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली इलाके के हालात को देख-सुन कर ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें पहले ही देखा, भोगा और अनुभव किया है। संदेशखाली पर जितनी रपटें और विश्लेषण सामने आए हैं, उनके मद्देनजर आश्चर्य होता है कि 2011 से वहां दरिंदों के अत्याचार, यौन उत्पीडन और भूमि पर जबरन कब्जों के सिलसिले जारी रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उन्हें झूठ करार दे रही हैं। उन्होंने विधानसभा में कहा है कि संदेशखाली में आरएसएस का अड्डा है और वही औरतों को उकसा और बरगला रहा है। यदि संघ किन्हीं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है, तो मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस ने उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की?

आश्चर्य यह भी है कि संदेशखाली की औरतों पर सालों से अत्याचार, अनाचार किए जा रहे थे, लेकिन राज्यपाल, अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और भाजपा संसदीय प्रतिनिधिमंडल आदि की नींद एकसाथ 2024 में खुली है! अब प्रधानमंत्री मोदी भी 7 मार्च को, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर, बंगाल जा रहे हैं, जहां वह महिलाओं की ही जनसभा को संबोधित करेंगे। ये तमाम अभियान राजनीतिक लगते हैं, क्योंकि सालों तक सभी खामोश और निष्क्रिय थे, लेकिन आज बंगाल में राष्ट्रपति शासन तक की आवाजें मुखर हुई हैं। यहां तक कि जमीनी रपटें सामने आई हैं कि संदेशखाली की औरतों को तृणमूल कांग्रेस के दफ्तर में बुलाया जाता था और रात भर उन्हें मनोरंजन के लिए विवश किया जाता था।

ऐसे कबूलनामे औरतों ने कैमरे के सामने कहे हैं, हालांकि चेहरे ढक कर वे बोली हैं, क्योंकि उन्हें अत्याचारी राक्षसों का खौफ है। दुर्भाग्य और विडंबना यह है कि शोषित और पीड़ित औरतों को, खुद को, तृणमूल की समर्थक और वोटर भी कहना पड़ रहा है।

औरतों की पारिवारिक बची-खुची जमीनें भी छीन ली गई हैं और अब उन पर तृणमूल कांग्रेस के राजनीतिक गुंडों के अवैध कब्जे हैं। अत्याचार और सामूहिक दुष्कर्म के यथार्थ कई पक्षों ने सामने रखे हैं, लिहाजा उन्हें खारिज करना आसान नहीं है। कमोबेश संवैधानिक पदासीन चेहरों को झूठा करार नहीं दिया जा सकता।

उनके भी सामाजिक दायित्व हैं। अब मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। आज सुनवाई में उसका फैसला क्या होगा, उसका विश्लेषण बाद में करेंगे।

हमने कहा था कि ममता बनर्जी ने ऐसे हालात पहले देख और अनुभव कर रखे हैं।

इस संदर्भ में सिंदुर और नंदीग्राम के आंदोलन याद आते हैं, जो टाटा मोटर्स के प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ थे। तब ममता विपक्ष में थीं और आंदोलन का नेतृत्व कर रही थीं। तत्कालीन वाममोर्चा सरकार और पार्टी समूह ने ममता पर जो हिंसक और जानलेवा हमले किए थे, उन्होंने बंगाल में वाम के अंत की शुरूआत कर दी थी।

आज 2011 से बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की सत्ता है। ममता भी वाम की तरह घमंडी और एकाधिकारवादी हैं। संदेशखाली में जो विरोध-प्रदर्शन उभरे हैं, उनमें शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार सरीखे तृणमूल गुंडों की गिरफ्तारी की मांग गूंज रही है।

स्वामी, मुद्रक एवम प्रकाशक संगीता सिंह ने मैसर्स एजीएस पब्लिकेशन एफ - 23 सेक्टर 6 नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर एस -5 / 4/176 एल जी एफ सेक्टर 4 वैशाली साहिबाबाद जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201010 से प्रकाशित किया
प्रबंध संपादक : शैलेश कुमार सिंह।
संपादक : अभिमन्यु सिंह
RNI NO UPHIN/2012/46248
Mob : **9818189921**
Whatsapp : **9818189921**
Email : **Abhivartasamchar@gmail.com**

परिवार की सम्पूर्णता - नारी से

रश्मी मिश्रा
प्रोफेसर एवं प्रमुख,
जैव प्रौद्योगिकी विभाग,
एन आई ई टी, ग्रेटर नोएडा

परिवार की संपूर्णता में नारी का योगदान अनिवार्य है। नारी, परिवार के एक महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं, जो उसके अंतरिक्ष और ब संवेदना, सहयोग और समृद्धि में योगदान करती है। ये कुछ खास तथ्य हैं जो नारियों के परिवार में योगदान को दर्शाते हैं, भारतीय परिवारों में महिलाओं की भूमिका बहुआयामी है और इसे सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक-आर्थिक कारकों के संयोजन से आकार दिया गया है। ऐतिहासिक रूप से, महिलाओं ने भारतीय परिवारों में देखभाल, घर का प्रबंधन और रिश्तों का पोषण करने की ज़िम्मेदारियाँ निभाते हुए एक केंद्रीय स्थान रखा है। भारतीय संस्कृति "मातृ देवो भव" (मां दिव्य है) और "अर्धांगिनी" (पत्न ी अर्धांगिनी के रूप में) जैसी अवधारणाओं को बहुत महत्व देती है। ये सांस्कृतिक मान्यताएँ पारिवारिक संरचना में महिलाओं को दी जाने वाली श्रद्धा और सम्मान पर जोर देती हैं।

नारी घर के दिन-प्रतिदिन प्रबन्धन में मुख्य भूमिका निभाती हैं। घर की सफाई, भोजन बनाने की ज़िम्मेदारी, बच्चों की देखभाल, और किसी भी घर के कामों में उनका योगदान अधिक महत्व पूर्ण होता है।

नारियां बच्चों की परवरिश में विशेष योगदान देती हैं। उनकी ममता, सहायता, और समाज, बच्चों को सही मूल्य और संस्कार के साथ पालने में मदद करती है। कई बार नारी घर की आर्थिक स्थिति का भी प्रबंधन करती हैं। वो बडगते को ध्यान से संभालती हैं, जैसे परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सके।

नारी समाज में भी योगदान करती हैं। वो काई सामाजिक कार्यों में भाग लेकर, समाज सुधार में योगदान देती हैं, जिसकी उनकी भावना और सामाजिक दृष्टि परिवार को भी प्रभावित करती है।

नारी अपने परिवार के सदस्यों के प्रति सहयोग और समर्थन में माहिर होती हैं। उनकी संवेदना भावना और समझ, परिवार के अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को मजबूती और विशेष देती है। नारियों का योगदान परिवार में सामंजस्य बनाये रचने में होता है. उनकी समझदारी और सहायता, परिवार के आंतरिक मेल-जोल को सुदृढ बनाती है।

नारियों की भावनाएं, उनका संवेदना, और उनकी क्षमा परिवार को संपूर्ण बनाते हैं। अगर नारी अपने परिवार में सहायक, साथी, और संभावना का भाव रखती है, तो परिवार का मूल्य और भी सुधर जाता है।

बिना सुकून जीत का जुनून

नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी राजनीति में ऐसी जोड़ी है जो बड़ी से बड़ी जीत से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि उस जीत के बाद और बड़ी जीत को हासिल करने में लग जाती है।

2001 में जब नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री बनाकर संघ/भाजपा ने गुजरात की कमान सौंपी थी तब उनको भी ये अनुमान नहीं था कि एक दिन यही मोदी न केवल गुजरात की कलह को खत्म कर पार्टी को अजेय बना देंगे बल्कि भाजपा को उसके इतिहास की अनवरत बड़ी से बड़ी जीत दिलाते जाएंगे।

गुजरात में मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने जो जीत दर जीत हासिल की, वही क्रम उन्होंने केन्द्र में भी दोहरा दिया। 2014 से बड़ी जीत 2019 में मिली और अब 2023 में वो पिछली जीत से भी बड़ी जीत हासिल करना चाहते हैं।

वो जीत चाहते हैं और उन्हें जीत मिल जाती है, ऐसा होता नहीं है। जीत और सीट का जो लक्ष्य निर्धारित करते हैं उसके लिए जीतोड़ मेहनत करते हैं, साम-दाम-दंड-भेद वाली नीति चतुष्टय का इस्तेमाल करते हैं। अंततः असंभव से दिखनेवाले उनके लक्ष्य संभव सी जीत में बदल जाते हैं। बीते दस सालों के दौरान विधानसभा चुनावों में भी तीन चार मौके ही ऐसे आये हैं जब उनका गणित गड़बड़ाया हो।

मिशन लोकसभा
2024

वरना वो जो तय करते हैं, उसे हासिल करते हैं। हासिल करते ही अगले लक्ष्य निर्धारित करके उसे पाने में जुट जाते हैं।

यही कारण है कि जब अमित शाह ने 2013 में पार्टी की चुनावी कमान संभाली तो पूर्ण बहुमत का संदेश पार्टी कार्यकताओं को दिया। उस समय वो बतौर चुनाव कोआर्डिनेटर ही काम कर रहे थे लेकिन उनकी हैसियत पार्टी अध्यक्ष से कम न थी। जब अमित शाह पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को यह टार्गेट दे रहे थे तब पार्टी में ही किसी को भरोसा नहीं था कि भाजपा को अकेले दम पर पूर्ण बहुमत मिल जाएगा। उस समय तक मोदी 'सबसे पॉपुलर' लीडर भले बन चुके थे फिर भी 282 सीटें अपने अकेले के बूते जीतना इतना आसान तो नहीं था?

पार्टी में नेता दाहिने बायें से यही कहते रहे कि पूर्ण बहुमत का लक्ष्य है तो सबसे ज्यादा सीटें तो ही आ ही जाएंगी। लेकिन दूसरी ओर मोदी शाह की जोड़ी ने स्वतंत्र रूप से इतना तगड़ा कैम्पेन चलाया कि जनता पर जादू चल गया। सोशल मीडिया हो या मीडिया, सब पर मोदी छा गये। चुनाव के 4 महीने पहले से उनकी रैलियां शुरू हो गयीं।

वो लोग जानते थे कि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर ही जाता है इसलिए सबसे अधिक फोकस यूपी पर ही किया। खुद मोदी बनारस से प्रत्याशी बनकर पहुंच गये और परिणाम आया तो विपक्ष से अधिक पार्टी के नेता चौंक गये। पूर्ण बहुमत मिल चुका था।

आमतौर पर जो दल सत्ता में रहता है तो दूसरी बार या तो वह हारता है या फिर उसकी सीटें कम होती हैं। इसे राजनीतिक लोग एन्टी इन्कम्बैंसी कहते हैं। लेकिन 2019 में मोदी शाह की जोड़ी ने 2014 से बड़ी जीत हासिल करते हुए 303 सीटें जीत ली। यह 2014 के 282 से 21 सीट अधिक थी। अब 2023 में वो दोनों 370 सीट जीतने का लक्ष्य घोषित कर चुके हैं। तो क्या यह सिर्फ उनके कार्यकताओं में जोश भरने के लिए तैयार किया गया आंकड़ा है या सचमुच तीसरी बार उनकी सबसे बड़ी जीत होने जा रही है?

अब तक का इस जोड़ी की जीत का ट्रैक रिकार्ड देखें यह सिर्फ कश्मीर से धारा 370 को खत्म करने का सांकेतिक लक्ष्य नहीं है। जब उन्होंने ऐसा कहा है तब उनके पास निश्चित रूप से पूरा खाका तैयार होगा। वो दोनों जानते हैं कि 37.36 प्रतिशत वोट और 303 सीट जीत लेने के बाद इसके आगे एक एक सीट पर बढ़ने के लिए जीती हुई सीटों के साथ हारी हुई सीटों पर फोकस करना होगा। वो ऐसा ही कर रहे हैं।

लेकिन सिर्फ रणनीति बना लेने से चुनाव नहीं जीते जाते। चुनाव जीतने के लिए कैडर या पार्टी वर्करों का आक्रामक होकर मैदान में उतरना जरुरी होता है। कैडर या पार्टी वर्कर को आक्रामक बनाने के लिए उनके मन में संतोष नहीं बल्कि असंतोष की आग जलानी होती है। उनके सामने नया लक्ष्य रखना होता है ताकि वो जो हासिल हुआ है उस पर संतोष करने के बजाय नये लक्ष्य को पाने में लग जाएं।

इसलिए रविवार को दिल्ली में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में खुद नरेन्द्र मोदी ने ही कार्यकताओं और नेताओं के सामने कई नये नये लक्ष्य रख दिये। जैसे, अगले कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। मोदी जानते हैं कि आरएसएस पृष्ठभूमि के बीजेपी वर्करों के लिए राष्ट्र सबसे पहले होता है। इसलिए राष्ट्र के उत्थान, राष्ट्र के विकास से जुड़ी बातें जितना उनके मन को प्रभावित करेंगी, उतना दूसरा कुछ नहीं।

वैसे भी सत्ता का सफल राजनीतिज्ञ वो होता है जो चुनाव में अपनी उपलब्धियां गिनाने की बजाय नये-नये सपनों को बेचना जानता हो। उपलब्धियां मन में संतोष पैदा करती हैं जबकि सपनों को हासिल करने के लिए सक्रिय होकर काम करना पड़ता है।

कमल दल में क्यों समाना चाहते हैं कमलनाथ?

कमलनाथ के कमलदल में समाहित होने की खबरें सिर्फ अफवाह नहीं हैं। इसमें सच्चाई है और सौदेबाजी भी जारी है। सवाल यह है कि आखिरकार ऐसा क्या हुआ कि कांग्रेस में 50 साल का राजनीतिक जीवन और उम्र के 77 साल पूरे कर चुके कमलनाथ उम्र के अंतिम पड़ाव में भाजपा में आना चाहते हैं?

वर्तमान में कांग्रेस की राष्ट्रीय और मध्य प्रदेश की राजनीति को देखें तो कमलनाथ के लिए कोई ज्यादा जगह नहीं बची है। कमलनाथ के करीबी नेताओं का कहना है कि कमलनाथ की नाराजगी सोनिया से नहीं राहुल गांधी से रही है।

कमलनाथ की कांग्रेस से नाराजगी की जो वजह सामने आ रही है वह यह कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को उम्मीद थी कि कमलनाथ पार्टी के लिए पैसा खर्च करेंगे। अपने उद्योगपति मित्रों से आर्थिक मदद भी उपलब्ध कराएंगे लेकिन कमलनाथ ने न खुद पार्टी फंड में पैसा दिया और न ही मित्रों से मदद उपलब्ध कराई।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और राहुल गांधी कमलनाथ की इस बात से भी नाराज थे कि इंडिया गठबंधन की मध्य प्रदेश चुनाव के समय भोपाल में होने वाली रैली कमलनाथ ने निरस्त करवा दी थी। मध्य प्रदेश चुनाव के दौरान कमलनाथ का टिकट के प्रार्थी से यह कहने का बयान वायरल होना कि जाओ दिग्विजय सिंह के कपडे फाड़ो, ने भी मध्यप्रदेश कांग्रेस की गुटबाजी को सामने ला दिया था।

कमलनाथ की अपनी शिकायतें भी पार्टी हाईकमान से थी। मध्यप्रदेश चुनाव में टिकट वितरण में दिग्विजय सिंह की दखंलदाजी के

बाद भी हार का ठीकरा सिर्फ उनके सिर फूटने से वह नाराज हैं। कमलनाथ इस बात से भी नाराज हैं कि उनकी जगह जीतू पटवारी को मध्यप्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया लेकिन उनसे राय नहीं ली गई। कमलनाथ इस बात से भी असहज थे कि विपक्ष का नेता बनने की उनकी मंशा को नरजअंदाज कर पार्टी ने उमंग धिंगार को विपक्ष का नेता बना दिया।

मध्यप्रदेश की राजनीति में सबकुछ गंवा चुके कमलनााथ इस बात की उम्मीद कर रहे थे कि पार्टी उन्हे मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजने का प्रस्ताव देगी लेकिन पार्टी ने कमलनाथ को ना ही राज्यसभा भेजना उचित समझा और न ही राज्यसभा किसे भेजना है, इस संबंध में उनकी राय ली। दिग्विजय के बेहद करीबी ग्वालियर के अशोक सिंह को राज्यसभा भेजकर कमलनाथ की नाराजगी को बढ़ा दिया।

लेकिन सिर्फ इन्हीं कारणों को कमलनाथ के भाजपा के करीब आने का प्रमुख कारण मानना ठीक नहीं है। भाजपा और कमलनाथ के बीच बढ़ती करीबी के कुछ और भी कारण हैं जिन्हें जानना और समझना जरूरी है। कमलनाथ को कमल के करीब ले जाने का एक कारण सिख दंगों में कमलनाथ की भूमिका पर आगामी 23 अप्रैल को आनेवाली एसआईटी की रिपोर्ट है। 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों में कमलनाथ के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका पर कोर्ट ने एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

कमलनाथ के भाजपा की ओर कदम बढ़ाने का दूसरा प्रमुख कारण 354 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी के मामले को लेकर ईडी का शिंकजा कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी और कमलनाथ के परिवार के सदस्यों पर कस रहा है। गौरतलब है कि कमलनाथ परिवार के सदस्यो के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने 2020 में प्रिवेंशन आफ मनी लॉन्ड्रिग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कमलनाथ के भांजे को गिरफ्तार किया था। इस मामले में कमलनाथ की बहन नीता, बहनोई दीपक पुरी और कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ की भूमिका की जांच सीबीआई और ईडी कर रही है।

कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को इस बारे में नोटिस भी जारी हो चुका है। कमलनाथ को अपने बेटे नकुलनाथ को जांच एजेसियों से बचाने के अलावा सांसद बेटे के राजनीतिक भविष्य को भी सुरक्षित करना है। कमलनाथ इस बात को समझते हैं कि उनके बगैर नकुलनाथ की कांग्रेस में एक सांसद से ज्यादा हैसियत नहीं रहेगी। मोदी लहर में 2024 के चुनाव में नकुलनाथ की जीत आसान भी नहीं है। 2019 में छिंदवाड़ा जैसी सुरक्षित सीट से नकुलनाथ सिर्फ 40 हजार वोट से जीते थे।

कमलनाथ को साथ लाकर भाजपा सिर्फ छिंदवाड़ा सीट पर फोकस नहीं कर रही है। भाजपा का आकलन है कि छिंदवाडा सीट तो मिलेगी ही, विधानसभा में भी कांग्रेस के 66 विधायकों में से 15 से ज्यादा विधायक भाजपा के साथ आ जाएंगे। छिंदवाडा जिले के सभी 6 कांग्रेसी विधायक भी भाजपा के खेमें में कमलनाथ के साथ जाएंगे।

कमलनाथ के साथ आने से कांग्रेस का मजबूत गढ़ छिंदवाड़ा भी ढह जाएगा। कमलनाथ के साथ मुरैना महापौर शारदा सोलंकी, ग्वालियर महापौर शोभा सिकरवार, रीवा महापौर अजय मिश्रा, और छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके भी भाजपा में जा सकते हैं।

कमलनाथ को लेकर इतने फायदे में रहने के बाद भी भाजपा के लिए कमलनाथ को लेकर दुविधा बनी हुई है। संघ का एक बड़ा वर्ग कमलनाथ के खिलाफ है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी कमलनाथ को लेकर विरोध कर रहे हैं और शिवराज के विरोध की ताकत कमलनाथ के धुर विरोधी रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया भी बढ़ा रहे हैं। सिंधिया कमलनाथ की एंट्री को रोकने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं।

कमलनाथ को लेकर सिख नेता भी अपनी नाराजगी से केन्द्रीय नेतृत्व को अवगत करा चुके हैं। भाजपा कमलनाथ को लेने से पहले इस बात का भी आकलन कर रही है कि कहीं दिल्ली और पंजाब में इसका खामियाजा ना भुगतना पड़े। इस बात की संभावना भी है कि भाजपा बीच का रास्ता निकालते हुए अभी सिर्फ कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को पार्टी में शामिल करे। कमलनाथ कांग्रेस में बने रहे। लोकसभा चुनाव के बाद कमलनाथ को किसी राज्य का राज्यपाल बनाकर एडजस्ट किया जा सकता है।

भाजपा कमलनाथ को पार्टी में लाने से पहले हर पहलू पर गंभीरता से विचार कर रही है। कमलनाथ भी उम्र के इस पड़ाव पर कांग्रेस छोड़ने की पूरी कीमत वसूल करना चाहते है। भाजपा और कमलनाथ के अपने अपने स्वार्थ और मजबूरी है। दोनों एक दूसरे को तौल रहे हैं। दोनों तराजू का पलड़ा अपनी ओर ज्यादा झुका देखना चाहते हैं। इसलिए कमलनाथ और भाजपा में सौदेबाजी की बातचीत जारी है। यह सौदा किसे फायदे पहुंचाता है किसे मंहगा साबित होता है यह आने वाला समय बताएगा लेकिन यह तय है कि कमलनाथ की राजनीति का कांग्रेस में अंत अब करीब है।

कैंसर पीड़ित अन्य कैंसर रोगियों के लिए बन सकते हैं प्रेरणा, दूर कर सकते हैं डर

यदि कोई वास्तव में समझना चाहता है कि क्वालिटी ऑफ लाइफ का क्या अर्थ है तो इसके लिए कैंसर से बचे व्यक्ति से जानना जरूरी है। कैंसर के साथ जीवन आसान नहीं है और जब अंतिम चरण में इसका पता चलता है तो यह और भी अधिक कष्टकारी हो जाता है, इससे क्वालिटी ऑफ लाइफ को भी भारी नुकसान होता है।

अस्पतालों में अनगिनत बार डॉक्टरों से मिलना, बार-बार टेस्ट कराते रहना थका देने वाला होता है। पूरे उपचार चक्र के दौरान व्यक्ति को पीड़ा में छोड़ दिया जाता है, जबकि वह व्याकुल और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित होता है। सर्जिकल प्रक्रियाएं दर्दनाक होती हैं और हमने व्यक्तिगत रूप से कई कैंसर पीड़ितों को कीमोथेरेपी या विकिरण थेरेपी से गुजरते समय अवसाद में डूबते और अफसोस की भावना का अनुभव करते देखा है।

कैंसर के उपचार के दुष्प्रभाव जैसे बालों का झड़ना, अत्यधिक उल्टी, अपच, भूख न लगना, त्वचा में जलन और चकत्ते होना ये सभी कैंसर पीड़ित की स्थिति को इसे और भी बदतर बना देते हैं।

इन कठिनाइयों के बावजूद, हर दिन हजारों लोग सफलतापूर्वक कैंसर के प्रकोप से बच रहे हैं, जिससे यह साबित होता है कि यह बीमारी मौत की सजा नहीं है। सामुदायिक कैंसर

स्क्रीनिंग कार्यक्रमों और प्रारंभिक कैंसर निदान में उल्लेखनीय वृद्धि से कैंसर का ऐसे स्तर पर पता लगाने में मदद मिली है जिससे बेहतर उपचार परिणाम प्राप्त करना संभव है।

कैंसर सर्वाइवर्स, अन्य रोगियों की कर सकते हैं मदद

कैंसर से बचे वे लोग जो कैंसर के प्रारंभिक निदान से गुजर चुके हैं और प्रारंभिक चरण की उपचार प्रक्रियाओं का अनुभव कर चुके हैं, वे सबसे बड़े रोगी के एडवोकेट होते हैं जो किसी समुदाय के नागरिकों या कैंसर फाईटर्स के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं।

वे कहते हैं कि घोड़े के मुंह (**horses mouth**) से सुनना सबसे अच्छा है। उसी तरह, कैंसर से बचे लोग जब जीवित रहने के अपने अनुभव साझा करते हैं, तो यह अन्य कैंसर रोगियों को उपचार आवश्यकताओं का पालन करने के लिए प्रेरित करने का एक ठोस तरीका हो सकता है।

सर्वाइवर्स कई सकारात्मक तरीकों से अपनी कहानी साझा करते हैं। उनका लचीलापन तब देखा जाता है जब वे फिजिकल और ऑक्यूपेशनल चिकित्सा सहायता से गुजरते हैं जो उनके ठीक होने और कार्यक्षमता हासिल करने में सहायता करता है। उपचार के बाद ये थेरेपी, जीवित बचे लोगों को उनकी ताकत फिर से बनाने, गतिशीलता बहाल करने और उनके समग्र जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करने में महत्वपूर्ण हैं।

कैंसर को लेकर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत

वैश्विक कैंसर संस्थानों के कई शोध अध्ययन हैं जो कैंसर से जीवित बचे लोगों की प्रभावशीलता को साबित करते हैं। वे जागरूकता बढ़ाकर, बीमारी का शीघ्र पता लगाने की आवश्यकताओं पर जोर देखर स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच की वकालत करके कैंसर रोगियों की मदद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अपने स्वयं के अनुभवों को साझा करके और कैंसर देखभाल प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम करके, जीवित बचे लोग, सभी रोगियों के लिए अधिक सहायक और समावेशी वातावरण में योगदान कर सकते हैं।

इस प्रकार, कैंसर से बचे लोग अन्य कैंसर रोगियों का समर्थन करने और उन्हें इलाज के लिए प्रतिबद्ध रहने में मदद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैंसर से बचे लोग कई तरीकों से कैंसर रोगियों को इलाज छोड़ने से रोक सकते हैं। मुख्य रूप से अन्य रोगियों के साथ अपनी स्वयं की जीवित रहने की कहानियों और अनुभवों को साझा करके, उपचार के दौरान उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालकर और वे कैसे प्रेरित रहने में कामयाब रहे। इन कहानियों को साझा करने से आशा जग सकती है और यह आश्वासन मिल सकता है कि वे अपनी यात्रा में अकेले नहीं हैं।

कैंसर से बचे लोग नव निदान रोगियों को ध्यान देकर, सहानुभूति देकर और उनके डर और चिंताओं को समझकर भावनात्मक समर्थन भी दे सकते हैं। कैंसर रोगियों के प्रति दयालु भावना व्यक्त करने से उन्हें समर्थन महसूस करने में मदद मिल सकती है और उन्हें अपना इलाज जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

उन्हें उपचार की प्रभावशीलता पर आश्वस्त किया जा सकता है और उन्हें कोर्स पीरियड के दौरान दवा दिए जाने के दौरान सहनशील रहने की सलाह दी जा सकती है।

सर्वाइवर्स रोगियों को दुष्प्रभावों के प्रबंधन, उपचार संबंधी चुनौतियों से निपटाने और उपचार के दौरान और बाद में स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के संबंध में व्यावहारिक सुझाव और सलाह प्रदान कर सकते हैं। यह मार्गदर्शन रोगियों को उनकी उपचार यात्रा को अधिक प्रभावी ढंग से नेविगेट करने में मदद कर सकता है।

सर्वाइवर्स निभा सकते हैं स्वैच्छिक सलाहकार की भूमिका

सर्वाइवर्स, अन्य रोगियों को सहायता समूहों, परामर्श सेवाओं, शैक्षिक सामग्री और ऑनलाइन समुदायों जैसे प्रासंगिक संसाधनों से जोड़ने में भी मदद कर सकते हैं। ये संसाधन अतिरिक्त सहायता, जानकारी और समुदाय की भावना प्रदान कर सकते हैं, जो रोगियों को अलग-थलग या अभिभूत महसूस करने से रोकने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

टीवी कार्यक्रम में शामिल होने पर विवाद में घिरे पीएम ऋषि सुनक, मीडिया निगरानी निकाय ने शुरू की जांच

लंदन। ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में शामिल होने पर विवाद में घिर गए हैं। ब्रिटेन में मीडिया की निगरानी करने वाले स्वतंत्र निकाय ऑफिस ऑफ कम्यूनिकेशंस (OFCOM) ने सुनक के टीवी कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर जांच शुरू कर दी है।

500 शिकायतें मिलने के बाद निकाय यह जांच कर रहा है कि सुनक के कार्यक्रम में शामिल होने से निष्पक्षता नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

OFCOM ने एक बयान में कहा कि वह जीबी न्यूज पर गत सोमवार को प्रसारित 'पीपुल्स फोरमः द प्राइम मिनिस्टर' कार्यक्रम की जांच कर रहा है। प्रसारण संहिता (Broadcasting Code) के तहत ओएफसीओएम को राजनीतिक व्यवस्था के भीतर निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विचारों की एक विस्तृत शृंखला को व्यक्त करने की जरूरत होती है।

नियामक की तरफ से जारी बयान के अनुसार, हम प्रसारण संहिता के नियम 5.11 और 5.12 के तहत जांच कर रहे हैं।

यह प्रमुख राजनीतिक विवाद व सार्वजनिक नीति से संबंधित मामलों से निपटने वाले कार्यक्रमों के लिए अतिरिक्त निष्पक्षता जरूरतों पर केंद्रित है। प्रसारण के दौरान शो के प्रस्तोता ने दावा किया था कि सुनक से पूछे गए प्रश्न अनजान मतदाताओं के थे। सुनक या चैनल ने उन्हें पहले से नहीं देखा था।

विवाद पर डाउनिंग स्ट्रीट का बयान

इस मामले पर ब्रिटिश पीएम के कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री सुनक को शो में भाग लेने पर कोई अफसोस नहीं है। यह OFCOM का मामला है।

प्रसारण संहिता के उल्लंघन पर क्या कार्रवाई हो सकती है

अगर मीडिया निगरानी निकाय के प्रसारण संहिता का उल्लंघन पाया जाता है तो उसके पास मीडिया समूह पर जुर्माना या अन्य प्रतिबंध लगाने की शक्ति है। OFCOM की ओर से दक्षिणपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखने वाला जीबी न्यूज के अन्य शो की भी जांच की जा रही है, जिसमें निष्पक्षता के मुद्दे भी शामिल हैं।

राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं को असम पुलिस का समन, 23 फरवरी पेशी; सार्वजनिक संपत्ति नष्ट करने के आरोप

गुवाहाटी। असम पुलिस के सीआईडी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी को समन जारी किया है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान गुवाहाटी में सार्वजनिक संपत्तियों को कथित तौर पर नष्ट करने के मामले में सीआईडी ने राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को तलब किया है।

राहुल गांधी के अलावा सीआईडी ने केसी वेणुगोपाल, जितेंद्र सिंह, भूपेन बोरा, गौरव गोगोई और देबब्रत सैकिया को तलब किया है।

इसके साथ ही जाकिर हुसैन सिकदर और रमेन कुमार सरमा को भी समन जारी किया गया है।

राहुल गांधी समेत कांग्रेस नेताओं को 23 फरवरी को उसके सामने पेश होने को कहा है।

सूत्रों के मुताबिक एक नोटिस में कहा गया है कि अगर कांग्रेस नेता 23 फरवरी को असम सीआईडी के समक्ष पेश होने में विफल रहते हैं, तो वे सीआरपीसी की धारा 41 ए (3) के तहत गिरफ्तारी के लिए उत्तरदायी होंगे।

नोटिस के मुताबिक सभी को 23 फरवरी सुबह 11:30 बजे सीआईडी पुलिस स्टेशन, उलुबली, गुवाहाटी में पेश होने के लिए कहा गया है।

सार सुर्खिया

डीके शिवकुमार का आरोप- राज्यसभा चुनाव के लिए ऑफर दे रहे कुमारस्वामी, कांग्रेस विधायकों को मिली धमकी

बंगलूरू। राज्यसभा की खाली हो रही 56 सीटों के लिए 27 फरवरी को चुनाव होंगे। इनमें से चार सीट कर्नाटक में हैं। इस बीच, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके पास जानकारी है कि कुमारस्वामी इस चुनाव में कांग्रेस विधायकों के वोट खरीदने की पेशकश कर रहे हैं।

जानते हैं भाजपा की रणनीति: शिवकुमार

शिवकुमार ने बंगलूरू में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, ₹हम जानते हैं कि कुमारस्वामी किसे फोन कर रहे हैं। वह क्या बोल हैं और क्या पेशकश कर रहे हैं। हमारे विधायकों ने हमें सारी जानकारी दी है। हम भाजपा की रणनीति से अच्छी तरह वाकिफ हैं। पत्रकारों ने उप मुख्यमंत्री से जब पूछा गया कि क्या विपक्षी दल क्रॉस वोटिंग का प्रयास कर रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा, ₹क्या उन्होंने बेवजह उम्मीदवार खड़ा किया है? उन्होंने अपना उम्मीदवार मैदान में उतारा है। देखते हैं कि मतदान के दिन कौन किसे वोट देता है।₹

कांग्रेस विधायकों को दी धमकी

उप मुख्यमंत्री ने आगे कहा, ₹उन्होंने (एचडी कुमारस्वामी) बात की है। (कांग्रेस विधायकों को) पेशकश की है। वे (विधायक) मेरे पास आए और मुझे बताया कि उन्होंने उन्हें धमकी दी थी। मुझे इसकी जानकारी है। मैं अब इस पर कुछ नहीं बोलूंगा। पूर्व प्रधानंत्री एचडी देवगौड़ा के नेतृत्व वाली जद (एस) पार्टी पिछले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गई थी।

भाजपा-कांग्रेस से कौन उम्मीदवार

राज्य की 224 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ कांग्रेस के पास 135 विधायक हैं। वह सर्वोदय कर्नाटक पक्ष पार्टी के दर्शन पुत्तनैया और दो निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से राज्यसभा की तीन सीट पर अपना कब्जा बरकरार रख सकती है। वहीं, विधानसभा में भाजपा के 66 और जद (एस) के 19 सदस्य हैं। वे गठबंधन में एक सीट जीतने की स्थिति में हैं।

कांग्रेस ने अजय माकन, सैयद नसीर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर को उम्मीदवार बनाया है। जबकि भाजपा ने पूर्व एमएलसी नारायणसा बंदेज को उम्मीदवार बनाया है।

'एनआरसी लाने से पहले बंगाल में निष्क्रिय किए गए आधार कार्ड', ममता का बड़ा आरोप; पीएम को लिखा पत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड को निष्क्रिय किए जाने के दावों पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि एनआरसी लाने से पहले पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए।

अधिकतर मतुआ समुदाय के लोगों के आधार कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल के लोगों के आधार कार्ड निष्क्रिय किए जाने के बारे में प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगी।

ममता ने कहा कि जिन लोगों के नाम काटे जा रहे हैं, उन्हें हम एक अलग कार्ड देंगे।

हम किसी भी गरीब के साथ गलत नहीं होने देंगे। हमने 'पश्चिम बंगाल सरकार का आधार शिकायत पोर्टल' नाम से एक पोर्टल तैयार किया है। जिनका आधार कार्ड काटा गया है, ऐसे लोगों को यथाशीघ्र हमें सूचित करना चाहिए ताकि वे अपने लोकतांत्रिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों का लाभ लेते रहें।

इस बीच ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि मैं पश्चिम बंगाल में विशेष रूप से एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों को निशाना बनाकर आधार कार्डों को लापरवाही से निष्क्रिय करने की कड़ी निंदा करती हूं। हम सभी भारत के नागरिक हैं। प्रत्येक नागरिक पश्चिम बंगाल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकता है, भले ही उनके पास आधार कार्ड हों या नहीं।

नेवी चीफ ने किया रक्षा विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन, बोले- 2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएगी भारतीय नौसेना

पुणे। इंडियन नेवी चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने सोमवार को महाराष्ट्र के पुणे में विभिन्न रक्षा परियोजनाओं पर काम करने वाले निबे डिफेंस एंड एयरोस्पेस के विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी मौजूद थे। इस अवसर एडमिरल कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना 2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएगी। साथ ही उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने में उद्योग से मदद की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब हर जहाज, पनडुब्बी, विमान और हथियार प्रणाली का भारत में निर्माण करना है।

नौसेना प्रमुख ने कहा, भारतीय नौसेना आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने सरकार से वादा किया है कि हम 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जाएंगे और इसके लिए हमें उद्योग की मदद की आवश्यकता होगी। नौसेना प्रमुख ने कहा, यह सुविधा आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप देश में अपनी हथियार प्रणाली बनाने की हमारी क्षमता को मजबूत कर रही है।

भारत की मेजबानी में 50 देशों के नौसैनिक दिखाएंगे अपना रणकौशल

भारत की मेजबानी में विशाखापट्टनम में करीब 50 देशों की नौसेनाएं सबसे बड़े सैन्य अभ्यास मिलन-24 में अपना रणकौशल दिखाएंगी। 9 दिवसीय यह अभ्यास लाल सागर में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं समेत अस्थिर भ-राजनीतिक माहौल के बीच हो रहा है। 27 फरवरी तक चलने वाले मिलन अभ्यास के 12वें संस्करण में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, इंडोनेशिया और मलयेशिया समेत अन्य देशों की नौसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसका मकसद समान विचारधारा वाले देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना है। यह अभ्यास मित्र देशों से 15 युद्धपोतों और एक समुद्री गश्ती विमान के आगमन के साथ सोमवार को शुरू हुआ। भारतीय नौसेना से विमानवाहक पोत विक्रांत और विक्रमादित्य समेत करीब 20 पोत और मिग 29के, हल्के लड़ाकू विमान तेजस और पी-8आई लंबी दूरी के समुद्री टोही और पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान सहित लगभग 50 विमान अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

मिलन एक द्विवार्षिक बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास है जो भारत की लुक ईस्ट नीति के अनुरूप इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड की भागीदारी के साथ 1995 में शुरू हुआ था। अभ्यास का बंदरगाह चरण

ईडी ने महुआ मोइत्रा को नया समन जारी किया, फेमा उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तृणमूल कांग्रेस नेता और निष्कासित लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा को नया समन जारी किया है। उन्हें फेमा उल्लंघन मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को बुलाया गया था। हालांकि, जब वे ईडी के सामने पेश नहीं हुईं तो जांच एजेंसी ने उन्हें नया समन जारी किया। 49 वर्षीय नेता को पेश होने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। गौरतलब है कि महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोप लगे हैं। इन्हीं की जांच कर रही संसद की आचार समिति ने लोकसभा में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की थी। बाद में रिपोर्ट के आधार पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महुआ को निष्कासित कर दिया।

पैसे लेकर सवाल पूछने का पूरा मामला क्या है?

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे।

लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे।

'आपराधिक इतिहास वाले आरोपी को जमानत देने से पहले विचार करें अदालतें', सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मादक पदार्थ जब्ती मामले और आपराधिक इतिहास वाले आरोपियों को नियमित जमानत देने को लेकर अहम टिप्पणी की है। सोमवार को एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने कहा कि अदालतों को उन मामलों में आरोपी को नियमित जमानत देने पर विचार करना चाहिए, जिसमें भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए गए हों, खासकर जब आरोपी का आपराधिक इतिहास हो।

सर्वोच्च अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को गलत करार देते हुए रद्द कर दिया, जिसमें 232.5 किलोग्राम गांजा जब्ती से संबंधित एक मामले में एक आरोपी को अग्रिम जमानत दी गई थी। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट इस बात पर विचार करने में विफल रहा कि आरोपी का आपराधिक इतिहास है और उसे पहले से ही नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दो मामलों में दोषी ठहराया गया था।

पीठ ने 12 फरवरी को पारित अपने आदेश में कहा, इतनी भारी मात्रा में मादक पदार्थ की जब्ती मामले में अदालतों को आरोपी को नियमित जमानत देने में विचार करना चाहिए, अग्रिम जमानत पर तो विचार ही नहीं करना चाहिए, खासकर जब आरोपी का आपराधिक इतिहास हो। पीठ मद्रास हाईकोर्ट के जनवरी 2022 के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। हाईकोर्ट ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामले में आरोपी को अग्रिम जमानत दी थी।

सरकारी वकील ने किया था अग्रिम जमानत याचिका का विरोध

आदेश में कहा गया है कि रिकॉर्ड के अनुसार दो लोगों के घर की तलाशी के बाद उनके पास 232.5 किलोग्राम गांजा पाया गया था। साथ ही आरोपी मादक पदार्थ की खरीद या आपूर्ति की साजिश में शामिल था। आदेश में यह भी कहा गया है कि सरकारी वकील ने हाईकोर्ट में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका का विरोध किया था।

हाईकोर्ट ने सरकारी वकील की दलील को नजरअंदाज किया...

पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट है कि हाईकोर्ट ने सरकारी वकील की इस दलील को नजरअंदाज कर दिया कि आरोपी को पहले तीन अन्य मामलों में दोषी ठहराया गया था, जिनमें से दो में एनडीपीएस अधिनियम के तहत अपराध शामिल थे। आरोपी के खिलाफ अधिनियम की धारा 37 लगाई गई थी, जो मादक पदार्थ की अवैध सप्लाई से जुड़े अपराध के संबंध में आरोपी को जमानत देने से संबंधित है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की न्यायविदों से मुलाकात, एक देश एक चुनाव पर किया मंथन

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने न्याविदों से मुलाकात की। इस दौरान भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों, न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा और न्यायमूर्ति एसए बोबडे के साथ परामर्श किया। साथ ही सभी से इस विषय पर सुविचारित राय ली। समिति ने इस मुद्दे पर दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.एन पटेल के साथ भी परामर्श किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन.के. सिंह; डॉ. सुभाष सी. कश्यप, पूर्व महासचिव, लोकसभा और पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे भी बैठक में शामिल हुए। इतना ही नहीं अब तक की गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की।

फिलहाल, समिति को मौजूदा संवैधानिक ढांचे को ध्यान में रखते हुए लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के एक साथ चुनाव कराने के लिए जांच करने और सिफारिशें करने का काम सौंपा गया है।

CBI ने अपने हाथ में लिया किशोरी के अपहरण का मामला, राजनीतिक पदाधिकारियों की भूमिका की होगी जांच

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले में एक किशोरी के कथित अपहरण की जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने हाथों में लिया है। इस मामले में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पदाधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

किशोरी (14 वर्षीय) के माता-पिता ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की है। जिसमें आरोप लगाया था कि उनकी बेटी नौ अगस्त 2023 की शाम छह बजे अपनी पढ़ाई के लिए घर से निकली थी। लेकिन वापस घर नहीं लौटी। केंद्रीय एजेंसी की यह कार्रवाई अदालत के निर्देशों पर शुरू की गई है।

याचिका में किशोरी के माता-पिता ने कहा है कि स्थानीय पुलिस जांच नहीं करना चाहती थी। बहुत आग्रह करने के बाद उसने एक मामला दर्ज किया। लेकिन इस मामले जांच को आगे नहीं बढ़ाया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने उसी महीने 17 अगस्त को राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की मानव तस्करी रोधी इकाई में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने इस साल आठ फरवरी को मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी।

इसके बाद उच्च न्यायालय ने लड़की के माता-पिता की ओर से लगाए गए आरोपों का हवाला देते हुए कहा था कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन कानूनी अवधि के भीतर जांच पूरी नहीं की गई है।

औली समेत चारों धाम में हुई बर्फबारी...सफेद चादर में लिपटीं वादियां, मैदान में बारिश से बढ़ी ठंड

देहरादून। उत्तराखंड में आज सोमवार शाम को मौसम ने फिर करवट ली। पहाड़ में दूसरे दिन भी मौसम खराब रहा और चारों धामों में बर्फबारी हुई। वहीं हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, औली, नंदा घुंघटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नीती व माणा घाटी में बर्फ गिरी जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश हुई। बदरीनाथ में आधा फीट, केदारनाथ में एक फीट, औली में दो इंच, गंगोत्री-यमुनोत्री में छह इंच ताजी बर्फ जमी। जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश हुई जिससे ठंड लौट आई है।

बदरीनाथ धाम में दिनभर रुक-रुककर बर्फबारी हुई जो देर शाम तक जारी रही। बर्फबारी से हनुमान चट्टी से बदरीनाथ धाम तक हाईवे फिसलन भरा हो गया है। हाईवे पर करीब आधा फीट तक बर्फ जम गई है। गोपेश्वर-मंडल-चोपता और जोशीमठ-मलारी हाईवे पर भी बर्फ जम गई है।

वहीं जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पर्यटन ग्राम रामणी, घूनी, पडेरगांव, ईराणी, पाणा, झींझी आदि गांवों में भी बर्फबारी हुई लेकिन बर्फ जल्दी पिघल गई। बाजारों में ठंड से बचने के लिए दुकानदारों व राहगीरों ने अलाव का सहारा लिया। पोखरी, नंदानगर, पीपलकोटी, नंदप्रयाग आदि क्षेत्रों में भी दिनभर रुक-रुककर बारिश हुई।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम, हर्षिल घाटी और अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई। हालांकि अभी तक सभी सड़कों पर आवाजाही सुचारु है। पिछले दो दिन से जिले में गर्मी का अहसास होने लगा था।

अब बर्फबारी हुई तो ठंड लौट आई। वहीं आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि बर्फबारी को देखते हुए सभी विभाग अलर्ट मोड पर हैं। सभी बर्फीले इलाकों में विभागों से सड़क, बिजली, पानी और राशन की आपूर्ति की जानकारी ली जा रही है।

सोमवार को केदारनाथ धाम सहित मद्महेश्वर, तुंगनाथ, चंद्रशिला आदि क्षेत्रों में बर्फबारी हुई जबकि पर्यटक स्थल चोपता दुगलविट्टा में भी हल्की बर्फ गिरी।

वाहन ने कार में मारी टक्कर, शादी में जा रहे तीन लोगों की हादसे में मौत, चार घायल

अलीगढ़। अलीगढ़ के अतरौली में 19 फरवरी की रात करीब 10 बजे कोतवाली क्षेत्र के गांव औरैनी दलपतपुर के समीप बरातियों की कार में अज्ञात वाहन टक्कर मारकर निकल गया। इससे कार सवार तीन बरातियों की मौत हो गई है, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को अतरौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है।

बाबू पुत्र लटूरी निवासी जरगवां थाना रामघाट, भागेश्वर पुत्र छत्रपाल निवासी उमरारा थाना डिबाई, देवेश पुत्र बनी सिंह, अमरदीप पुत्र रामस्वरूप, पुष्पेंद्र पुत्र महेंद्र सिंह निवासीगण नरेना व दो अज्ञात लोग कार से गंगीरी की ओर किसी शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

रात करीब 10 औरैनी दलपतपुर के समीप छर्रा मार्ग पर अज्ञात वाहन उनकी कार में टक्कर मारकर निकल गया।

अस्पताल

हादसे में बाबू, भागेश्वर व एक अज्ञात की मौत हो गई। वहीं चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर एसपी देहात पलाश बंसल, एसडीएम अनिल कटियार, सीओ मो. अकमल खा, इंस्पेक्टर रणजीत चौधरी, तहसीलदार सुरेंद्र गौतम मौके पर पहुंच गए। एसपी देहात के अनुसार घायलों में दो की हालत नाजुक बनी हुई है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये सभी किसी शादी में कहां जा रहे थे?

कुछ इलाकों में हुई बूंदाबांदी, पश्चिमी यूपी में ओलवृष्टि की चेतावनी

लखनऊ। मौसमी बदलाव के बीच सक्रिय चल रहे पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार को बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग ने मंगलवार को लखनऊ समेत आसपास के कई इलाकों में बूंदाबांदी के आसार जताए हैं।

40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से कहीं-कहीं हवा चल सकती है, जबकि पश्चिमी यूपी में कई जगह ओलावृष्टि की भी चेतावनी जारी की गई है।

आगरा, अलीगढ़, बागपत, बिजनौर, एटा, फिरोजाबाद, हाथरस, मथुरा, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली व आसपास ओलावृष्टि के आसार हैं।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह और मौसम विशेषज्ञ एचआर रंजन के मुताबिक नजीबाबाद, अलीगढ़, आगरा, प्रयागराज में बूंदाबांदी हुई। चूंकि पारा पहले ही बढ़ा हुआ है और बारिश भी महज बूंदाबांदी तक रही, इसलिए तापमान पर कुछ ज्यादा असर नहीं पड़ा।

आगरा में दिन का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री रहा, हमीरपुर में 29.2 डिग्री दर्ज हुआ।

प्रदेश में दिन का तापमान 24 डिग्री से अधिक ही रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, बदायूं, बरेली, बागपत, बिजनौर, बुलंदशहर, एटा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, कासगंज, मैनपुरी, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, संभल, शामली व आसपास के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

धार्मिक जगहों के लिए खुला खजाना, अयोध्या, काशी सहित आठ जगहों को 86 हजार करोड़

लखनऊ। भूमि पूजन समारोह (जीबीसी) में सोमवार को प्रदेश के धार्मिक शहरों में भी निवेश परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ। इसमें अयोध्या, काशी और मथुरा में लगभग 40 हजार करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं शामिल हैं। इन शहरों समेत प्रदेश के सभी आठ धार्मिक स्थलों में 86 हजार करोड़ रुपये से लगभग 500 परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। इससे लगभग ढाई लाख लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

निवेश परियोजनाओं में सरकार का फोकस प्रमुख धार्मिक शहरों पर भी हैं। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के निर्माण और अयोध्या धाम में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद निवेशक भी इन शहरों में काफी रुचि दिखा रहे हैं। जीबीसी में सिर्फ अयोध्या, काशी व मथुरा के लिए लगभग 40 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ है। इसमें काशी में 15,314 करोड़ रुपये से 124 प्रोजेक्ट, मथुरा में 13,487 करोड़ रुपये से 81 और अयोध्या में 10,156 करोड़ से 146 प्रोजेक्ट शुरू होंगे।

अयोध्या में सिर्फ पर्यटन विभाग के जरिये 3,500 करोड़ के निवेश से 142 होटल, रिसॉर्ट व गेस्ट हाउस का निर्माण कराया जाएगा। वहीं, आवास विभाग के जरिये 3,409 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। अयोध्या में सभी विभागों के 146 प्रोजेक्ट से लगभग 50 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी तरह वाराणसी में विभिन्न विभागों की 124 प्रोजेक्ट धरातल पर उतरेंगे। इनमें सर्वाधिक पर्यटन व हॉस्पिटालिटी सेक्टर के हैं। इससे करीब 43 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

अखिलेश यादव ने कांग्रेस को दिया 17 सीटों का प्रस्ताव, अमेठी व रायबरेली सहित ये सीटें शामिल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने गठबंधन के तहत अब 17 सीटों पर कांग्रेस को अपने प्रत्याशी उतारने का प्रस्ताव दिया है।

इससे पहले सपा ने कांग्रेस को 11 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था, जिसे लेकर दोनों दलों के बीच बयानबाजी शुरू हो गई थी।

सोमवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के लिए 17 लोकसभा सीटें छोड़ने का फैसला लिया है।

सूत्रों के मुताबिक सपा ने कांग्रेस को अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर, कैसरगंज, वाराणसी, अमरोहा, सहारनपुर, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, फतेहपुर सीकरी, कानपुर, हाथरस, झांसी, महराजगंज और बागपत सीट दी है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक सपा की ओर से 17 सीटों का प्रस्ताव मिला है, हालांकि पार्टी की ओर से इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है। मालूम रहे कि इससे पहले 11 सीटों का प्रस्ताव देने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने असंतोष जताया था। जिसके बाद सपा ने नए सिरे से सीटों का चयन कर सूची कांग्रेस नेतृत्व को भेजी है।

सार सुर्खिया

सर्दी कम होते ही स्कूलों के लिए डीएम का नया आदेश, बदला सभी बोर्ड के विद्यालयों का समय; नोट कर लें टाइम

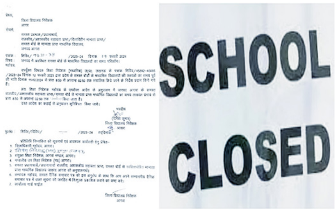
SCHOOL
CLOSED

आगरा उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में नए साल के साथ सर्दी बढ़ी तो स्कूल के छात्रों को बड़ी राहत दी गई थी। यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड समेत अन्य बोर्ड के सभी स्कूलों में छुट्टी रखी गई। फिर सर्दी कम होने के बाद इनके समय पर बदलाव किया गया। वहीं अब सर्दी में काफी राहत के बाद एक बार फिर समय बदला गया है। जिलाधिकारी भानुचंद्र गोस्वामी ने सचिव बेसिक शिक्षा के निर्देश पर 15 फरवरी को सभी विद्यालयों का समय बदल दिया। अब यह सुबह 8.50 बजे से दोपहर 2.50 बजे तक खुलेंगे।यह आदेश 15 फरवरी से ही लागू करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

पत्नी के हत्यारोपी मूक बधिर पति ने कोर्ट में किया समर्पण, बेड में पड़ी मिली थी लाश

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में फ्लैट में मूकबधिर पत्नी की हत्या के आरोपी एडीए कर्मचारी ने सोमवार को कोर्ट में समर्पण कर दिया। हत्यारोपी भी मूकबधिर है। मामला आवास विकास कॉलोनी स्थित एंथिला अपार्टमेंट का है।

अपार्टमेंट निवासी संतोष श्रीवास्तव की पत्नी पूजा की लाश 12 फरवरी को फ्लैट में मिली थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें मृत्यु का कारण पता नहीं चल सका। विसरा प्रिजर्व किया गया। विसरा की विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच होगी। मृतका के पिता ने आरोप लगाया था कि बेटी मूकबधिर थी। उसकी शादी मूकबधिर संतोष से की थी। संतोष के अन्य महिलाओं से संबंध थे। पति उसे तलाक की धमकी देता था। पूजा विरोध करती थी। इस कारण ही हत्या कर दी। मामले में पति और सास के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया। आरोपी फरार हो गया था। पुलिस गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। थाना जगदीशपुरा के प्रभारी निरीक्षक आनंदवीर सिंह ने बताया कि आरोपी पति ने कोर्ट में समर्पण किया है। उसकी पुलिस कस्टडी रिमांड के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया जाएगा।

भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आज, अब तक की चुनाव तैयारियों की समीक्षा करेंगे प्रभारी

लखनऊ यूपी भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा मंगलवार को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक लेंगे। वे अब तक की चुनावी तैयारियों की समीक्षा के साथ राष्ट्रीय अधिवेशन में हुए निर्णयों को प्रदेश में लागू करने पर बात करेंगे।

प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि दोपहर 3.30 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महामंत्री संगठन की मौजूदगी में बैठक होगी।

बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ चुनावी और संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा होगी।

पेपर लीक के दावों की जांच के लिए गठित हुई कमेटी, परीक्षा के बाद मैसेज हुए थे वायरल

लखनऊ। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सिपाही के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए शनिवार व रविवार को हुई लिखित परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के दावों समेत विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए आंतरिक जांच समिति गठित की। इसका गठन एडीजी/सदस्य सचिव के नेतृत्व में किया गया है। बोर्ड की अध्यक्ष डीजी रेणुका मिश्रा ने स्पष्ट किया कि आगामी परीक्षाओं में सुधार के उद्देश्य से इस समिति का गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रश्न पत्र लीक होने की सूचनाएं परीक्षा के बाद सोशल मीडिया पर वायरल की गई हैं। परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्न पत्र लीक होने का कोई भी मामला सामने नहीं आया है। अभ्यर्थियों को प्रश्न पत्र ले जाने की अनुमति दी गई थी। इसी वजह से पेपर लीक के दावों से जुड़े हर पहलू की जांच के लिए समिति गठित की गई है। समिति कुछ केंद्रों में वितरित प्रश्न पत्रों में छपाई संबंधी त्रुटियों, प्रश्न पत्र पहुंचने में देरी और प्रवेश पत्र में छेड़छाड़ की भी जांच करेगी। वहीं, जिन अभ्यर्थियों को अनुचित साधनों का इस्तेमाल करते पकड़ा गया है, वे दोबारा परीक्षा नहीं दे सकें, इसकी संस्तुति भी करेगी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर भविष्य में होने वाली परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी।

परीक्षा के बाद पेपर लीक का मैसेज वायरल

रविवार को परीक्षा संपन्न होने के बाद पेपर लीक होने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया था। इसके बाद तमाम हैंडल से पेपर लीक होने के दावे होने लगे।

इनमें से तमाम हैंडल कोचिंग संस्थाओं के नाम वाले थे। इसके बाद भर्ती बोर्ड ने अभ्यर्थियों को आश्वस्त किया है कि वह प्रत्येक परीक्षा की पारदर्शिता व शुचिता को बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

अखिलेश यादव बोले - भूमि पूजन समारोह महज दिखावा, छह माह पहले क्यों नहीं किया

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि वैश्विक निवेश सम्मेलन का भूमि पूजन समारोह महज दिखावा है। यह कार्यक्रम छह माह पहले क्यों नहीं किया। निवेश के लिए उद्योगपति पहले भी आ सकते थे। अब चुनाव आ गया है।

जनता में दिखावा करना है। इसलिए यह कार्यक्रम हो रहा है।

सोमवार को आचार्य नरेंद्र देव की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां मोती महल में समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने आए अखिलेश ने कहा कि सरकार बताए कि इससे पहले कितना निवेश आया और कितने नौजवानों को नौकरी व रोजगार मिला। भाजपा जनता को झूठे सपने दिखा रही है। इसके आंकड़ों में सच्चाई नहीं है।

भाजपा की डबल इंजन की सरकार में यूपी विकास के मामले में पिछड़ गया है।

प्रदेश में अभी तक कोई बड़ा उद्योग या कोई कंपनी नहीं आई। जो विकास दिख रहा है, वह सब सपा सरकार की देन है। गलत नीतियों से गरीब और गरीब हो रहा है।

आचार्य नरेंद्र देव के रास्ते पर चलती है सपा

अखिलेश ने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव ने समाजवादी विचार को आगे बढ़ाया। आचार्य के सिद्धांत हमारा मार्गदर्शन करते हैं। सपा उनके बताए रास्ते पर चलती है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी, मीरा वर्धन, यशोवर्धन, रविदास मेहरोत्रा, डॉ. मधु गुप्ता, जूही सिंह, सुरेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. फिदा हुसैन अंसारी, वंदना मिश्रा, डॉ. रमेश दीक्षित, सुशील दीक्षित, फाकिर सिद्दीकी, मणेंद्र मिश्र आदि ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

बयान दर्ज... अब पहचान करेंगे परिजन; एक ही परिवार के तीन शवों पर दे रहे थे डिस्काउंट

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एसएन मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए 1500 रुपये वसूलने के आरोपों की स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच कर रही है। सोमवार को टीम ने फिरोजाबाद जाकर मृतक के परिजन के बयान दर्ज किए। 22 को आरोपियों की पहचान के लिए परिजन को बुलाया गया है।

सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि जांच टीम के सदस्य डॉ. पीयूष जैन को मृतक के गांव फिरोजाबाद के पिपरौली भेजा था। उन्होंने मृतक के परिजन विक्की चौहान से शवों के पोस्टमार्टम के लिए 1500 रुपये लेने के मामले में बयान दर्ज किए हैं। बताया गया कि आरोपी सफेद कोट पहने था। तीन शवों के पोस्टमार्टम हाउस के लिए 2000 रुपये मांगे और बाद में 1500 रुपये लेने के बाद ही पोस्टमार्टम किया।

उगाही के मामले की जांच जारी

आरोपियों को चिह्नित करने के लिए परिजन को 22 फरवरी को बुलाया है। इनको पोस्टमार्टम हाउस लेकर जाया जाएगा, जहां सभी कर्मचारियों की परेड कराई जाएगी।

पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। लॉयर्स कॉलोनी निवासी तुषार चौहान, उनके बेटे कुशाग्र और मां बृजेश चौहान के शवों के पोस्टमार्टम के लिए उगाही के मामले में जांच की जा रही है।

61 हजार करोड़ से 10 लाख करोड़ पहुंचा निवेश, यूपी के बजट से डेढ़ गुना बड़ा है रहा इस बार का आकार

लखनऊ। भूमि पूजन समारोह के जरिये उत्तर प्रदेश ने साबित किया है कि इच्छा शक्ति हो तो सबकुछ संभव है। इसी के दम पर पहले भूमि पूजन में जहां 61 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया था, वहीं चौथे भूमि पूजन में ये बढ़कर रकम 10 लाख करोड़ रुपये हो गया। जो यूपी के बजट लगभग 7.36 लाख करोड़ रुपये का करीब डेढ़ गुना है। वहीं, निवेश की रफ्तार की बात करें तो पहले और चौथे भूमि पूजन समारोह में करीब 15 गुना की वृद्धि है।

विकास का रास्ता निवेश से ही होकर गुजरता है। गुजरात हो या महाराष्ट्र, तेलंगाना हो या पश्चिम बंगाल... निवेशकों के दम पर ही ये राज्य फलफूल रहे हैं। यूपी ने भी इसे समझा और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नीतियों से लेकर सुविधाओं तक में व्यापक बदलाव किए। वर्ष 2017 में योगी सरकार आई और अगले ही साल 2018 में वैश्विक निवेशक सम्मेलन किया। इसमें चार लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए। इन्हें धरातल पर उतारने के लिए देश में पहली बार भूमि पूजन समारोह का कॉन्सेप्ट पेश किया गया। इसके जरिये उद्योगों को उत्सव का माहौल दिया गया। उद्योगपतियों को अतिथि देवो भवः की तर्ज पर अति विशिष्ट मेहमान का दर्जा दिया गया। नतीजा भी सामने है, चार लाख करोड़ से बढ़कर एमओयू 40 लाख करोड़ रुपये यानी दस गुना ज्यादा हो गए।

भूमि पूजन समारोह पर एक नजर

पहला भूमि पूजन समारोह : 29 जुलाई 2018 को आयोजित किया गया। इसमें 61,847 करोड़ रुपये की 81 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। दो लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला।

दूसरा भूमि पूजन समारोह : 28 जुलाई 2019 को हुए समारोह में 290 परियोजनाएं धरातल पर उतारी गईं। इनमें करीब 65,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। करीब 2.6 लाख लोगों के लिए रोजगार के रास्ते खुले।

तीसरा भूमि पूजन समारोह : कोविड काल की वजह से इसका आयोजन 3 जून 2022 में किया गया। तमाम विपरीत स्थितियों के बावजूद 1,406 परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ। इसके जरिये 80 हजार करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतरा। पांच लाख से ज्यादा रोजगार सृजित हुए।

चौथा भूमि पूजन समारोह : 20 व 21 फरवरी 2024 को हो रहे इस समारोह ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। लगभग 10.11 लाख करोड़ रुपये की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ। इनके जरिये करीब 34 लाख रोजगार सृजन की राह खुली।

निवेशक बोल- सरकार से है सहयोग की उम्मीद

दिल्ली से आए निवेशक विवेक कुमार कहते हैं, हमारी कंपनी यूपी में निवेश कर रही है। माहौल देखकर लग रहा है कि यूपी का भविष्य उज्ज्वल है। निवेश सार्थक होगा, यही सोचकर पैसा लगा रहा हूं। सरकार सहयोग करेगी, यह मुझे पूरी उम्मीद है। ऐसे ही मेरठ से आए राजीव गोयल कहते हैं, मैं होटल इंडस्ट्री में निवेश कर रहा हूं। अयोध्या, नोएडा में होटल श्रृंखला तैयार कर रहा हूं।

माहौल देखकर लग रहा है कि मेरा निवेश रंग लाएगा। इस समय यूपी पर्यटन का हब बना है, इससे होटल इंडस्ट्री में निवेश बेहतर रहेगा। गोरखपुर से आई दीपा सिंह कहती हैं कि पीएम से लेकर सीएम तक सभी ने यहां माहौल बेहतर बनाया है। कार्यक्रम को देखकर निवेश करने का मेरा निश्चय और मजबूत हो गया है।